FUTURE LINE TIMES NEWS

वर्ष : 08
अंक : 45
बुद्धवार 26 फरवरी से 04 मार्च 2025 गौतमबुद्ध नगर।
मूल्य : 2 रुपया, पेज: 8

DAVP CODE: 133202

"साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र"

Email-futurelinetimes@gmail.com

Youtube channel : @fltnews2398

डाकघर पंजीकरण संख्या UP/GBD-248/2024-2026

फ्यूचर लाइन टाईम्स

https://futurelinetimes.page RNI NO. : UPHIN/2017/72919

आवाज़ राष्ट्र की

गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित हापुड़, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, सहारनपुर, बिजनौर, दिल्ली, एनसीआर, लखनऊ में एक साथ प्रकाशित

महाशिवरात्रि आज, 'शिवमय' रहेगा सारा देश

हर ओर हर-हर महादेव की धूम, निकलेगी शिव बारात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल बुधवार, 26 फरवरी को देश भर में महाशिवरात्रि की धूम रहेगी। भक्त भोले बाबा की भक्ति में लीन रहेंगे। मंदिरों और शिवालयों में भारी भीड़ रहेगी। हर ओर हर-हर महादेव के जयकारे सुनाई देंगे। शिवरात्रि के दिन शिव जी के साथ देवी पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय स्वामी का विशेष अभिषेक किया जाता है। माना जाता है कि इस पर्व पर की गई शिव पूजा से भक्त के जीवन में सुख-शांति आती है, नकारात्मकता दूर होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में ग्रहों से संबंधित दोष हैं, उन्हें महाशिवरात्रि पर राशि अनुसार पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से कुंडली के ग्रह दोषों का असर कम हो सकता है। इस दिन शिव पूजा के साथ ही शिव जी कथाएं पढ़ने-सुनने की परंपरा भी है। पूजा करने के साथ ही शिव जी की सीख को भी जीवन में उतार लेंगे तो जीवन की सभी समस्याएं खत्म हो सकती हैं। भगवान विष्णु की तरह ही शिव जी ने कई अवतार लिए हैं। भगवान ने द्वापर युग में एक अवतार अर्जुन का घमंड तोड़ने के लिए लिया था। शिवपुराण के मुताबिक भगवान शिव लिंग रूप के रूप में विष्णु-ब्रह्मा के सामने प्रकट हुए थे। उस दिन फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि थी और रात का समय था। इसी वजह से महाशिवरात्रि पर रात में शिव पूजा करने की परंपरा है।

सिख दंगा मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा

राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला, सिख पिता-पुत्र की हत्या के हैं दोषी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 के सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। 1984 सिख दंगा मामले में पिछली सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला आज तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। सरस्वती विहार में 2 सिखों की हत्या के मामले में सज्जन को ये सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन

कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। हालांकि, याचिकाकर्ता की तरफ से सज्जन को फांसी की मांग की गई थी। मामला 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान राज नगर इलाके में एक बाप-बेटे की हत्या का है, जिसमें कुमार दोषी करार दिए गए थे। सज्जन पर 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार इलाके में एक पिता-पुत्र की हत्या का आरोप था। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में सज्जन कुमार को दोषी ठहराया था। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को इस मामले में 12 फरवरी को दोषी करार दिया गया था। कोर्ट ने दंगा फैलाने की धाराओं में दोषी ठहराया था।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार को कोर्ट का समन

11 मार्च को लालू यादव, बेटा तेजप्रताप और बेटी हेमा को पेशी पर बुलाया

पटना (एजेंसी)। लैंड फॉर जॉब मामले में मंगलवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से लालू परिवार को झटका लगा है। इस मामले में सीबीआई की ओर से दाखिल फाइनल चार्जशीट पर कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए लालू यादव और उनके बेटा-बेटी समेत सभी आरोपियों को समन भेजा है। कोर्ट ने लालू, उनके बड़े बेटे तेजप्रताप और बेटी हेमा यादव को 11 मार्च को पेश होने का आदेश दिया गया है। इससे पहले कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख

लिया था। इस केस में लालू यादव सहित 78 अन्य के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। इसमें 30 लोक सेवक आरोपी हैं। सीबीआई ने बताया था कि, हमने कोर्ट से रेलवे बोर्ड के अधिकारी आर के महाजन के खिलाफ केस की अनुमति ले ली है। उनके खिलाफ गवाहों की लिस्ट भी तैयार है। आगे कोर्ट इस मामले में फैसला लेगा। इससे पहले 16 जनवरी को अदालत ने कहा था कि यदि 30 जनवरी तक महाजन के खिलाफ स्वीकृति नहीं मिलती है तो सक्षम अधिकारी को इसका स्पष्टीकरण देना होगा। लैंड फॉर जॉब्स मामले में 20 जनवरी 2024 को ईडी की दिल्ली और पटना टीम के अधिकारियों ने लालू और तेजस्वी से 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी।

पीएम मोदी ने एडवांटेज असम 2.0 समिट का किया उद्घाटन

बोले-राजनीतिक स्थिरता, सुशासन-सुधारों ने भारत के लिए दुनिया की उम्मीदें जगाईं

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के असम दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 समिट का उद्घाटन किया। यह दो दिन की इंफ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्टमेंट समिट है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा- आज दुनिया का भरोसा भारत के 140 करोड़ जनता पर है।

जो पॉलिटिकल स्टेबिलिटी और पॉलिटिकल कंट्यूनिटी को सपोर्ट कर रही है। पीएम ने कहा- आज भारत लोकल सप्लाई चैन को मजबूत कर रहा है। आज भारत दुनिया के अलग-अलग रीजन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

कर रहा है। ईस्ट एशिया के साथ हमारी कनेक्टिविटी और बेहतर हो रही है। बना रहा नया इंडिया मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर भी अनेक नई संभावना लेकर आ रहा है। भारत पर मजबूत होते ग्लोबल ट्रस्ट के बीच हम सभी असम में जुटे हैं। पीएम मोदी ने कहा- 2018 में असम की इकोनॉमी 2.75 लाख करोड़ की थी। अब यह बढ़ी है।

असम सेमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा

सेमीकंडक्टर को लेकर पीएम ने कहा कि असम सेमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक इमोर्टेंट हब बनकर उभरेगा। हाल ही में टाटा ने असम में सेमीकंडक्टर की असेंबलिंग शुरू की है, जो पूरे उत्तर पूर्वी राज्यों में टेक्नोलॉजी विकास को बढ़ावा देगा। पीएम मोदी बोले- नॉर्थ ईस्ट की भूमि नए भविष्य की शुरुआत करने जा रही है। एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम से जोड़ने का अभियान है। आज जब भारत विकसित होने के कगार पर बढ़ रहा है तो एक बार फिर हमारा यह नॉर्थ इस्ट अपना ये सामर्थ्य दिखाने जा रहा है। एडवांटेज असम को मैं इसी स्पिरिट के रूप में देख रहा हूं। मैं असम की सरकार को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

2027 तक भारत को बनाएंगे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था

● एमपी के भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बोले अमित शाह

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने समिट के लिए सीएम मोहन यादव, उनकी टीम और अफसरों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह की कार्ययोजना सरकार ने बनाई है, इसमें से अधिकतर

एमओयू जमीन पर उतरेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि अब तक सरकार के पास 30 लाख 77000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव आ चुके हैं। समिट में 5000 से अधिक बी-टू-जी और 600 से अधिक कार्यक्रम हुए हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को आश्वस्त किया कि 1 साल के अंदर तीनों कानून पूरी तरह से लागू कर दिए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 10 सालों में हवाई अड्डे 74 की जगह 157 हो गए हैं। जो सेक्टर दुनिया की अर्थव्यवस्था तय करने वाले हैं, ऐसे सेक्टर का फाउंडर भारत बना है। चाहे वो एआई हो या दूसरे सेक्टर।

हम मुल्ला-मौलवी नहीं वैज्ञानिक बनाते हैं:योगी

सीएम आदित्यनाथ बोले-यूपी में 30 हजार पुलिस की भर्ती होगी

योगी बोले- मक्का में सालभर में 1.40 करोड़ लोग पहुंचे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने मंगलवार को विधान परिषद में कहा- हमारी सरकार बच्चों की पढ़ाई को लेकर गंभीर है। हम मुल्ला-मौलवी नहीं, वैज्ञानिक बनाते हैं। विपक्ष ने गंगा जल पर सवाल उठाया। वैज्ञानिकों ने साबित किया कि गंगा का पानी एल्कलाइन वॉटर से भी शुद्ध है। योगी ने सऊदी अरब के मक्का से लेकर वेटिकन सिटी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की तुलना प्रयागराज, काशी और अयोध्या से की। कहा- वेटिकन सिटी में पूरे साल में 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं। प्रयागराज में तो एक दिन में ही इतने लोग पहुंच गए।

● **गंगा का जल एल्कलाइन वॉटर से भी शुद्ध-** गंगा जल के अस्तित्व पर सवाल खड़े कर रहे थे। इसका जवाब वैज्ञानिकों ने दिए। अजय सोनकर ने साबित किया कि गंगा जल एल्कलाइन से भी स्वच्छ है। गंगा जल में खुद को साफ रखने की ताकत है। महाकुंभ को बदनाम करने का कोई प्रयास नहीं छोड़ा। प्रचार कर रहे थे कि कितने लोग मर गए। सपा ने कहा कि जिसका पोस्टमॉर्टम हुआ, क्या वो भी जिंदा हो गए। प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में कोई भी पता करा सकता है। दरअसल, गिद्धों को सिर्फ लाश ही नजर आई। सभी ने अपने स्वभाव व चरित्र के अनुसार देखा। सनातन की सुंदरता समाजवादियों और वामपंथियों को नजर नहीं आई।

पंजाब विधानसभा में केंद्र की पॉलिसी के खिलाफ प्रस्ताव पास

कहा-इससे 3 रद्द कृषि कानून वापस लाने की कोशिश, एमएसपी का जिक्र नहीं

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा के दो दिवसीय सत्र के आखिरी दिन कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने राष्ट्रीय कृषि मार्केटिंग नीति के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। इसमें उन्होंने कहा कि इस नीति के साथ राज्य की शक्तियों पर केंद्र काबिज होने की कोशिश कर रहा है। इसमें कहीं भी एमएसपी का जिक्र नहीं किया गया। किसान भी इसके विरोध में हैं। वहीं, स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि किसान इस नीति के खिलाफ हैं। किसानों का मानना है कि राज्यों की मंडियों पर इसका नेगेटिव असर होगा। किसानों को महसूस होता है कि इस नीति से उन्हें अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलेगा। इससे एपीएमसी मंडियां तबाह हो जाएंगी। यह सरकारी मंडियों को खत्म करने का प्रयास है। किसानों के लंबे विरोध के बाद 2021 में रद्द किए गए 3 कृषि कानूनों को दोबारा वापस लाने की कोशिश है। इसलिए, यह ड्राफ्ट रद्द किया जाना जरूरी है। अंत में सीएम भगवंत मान ने भी इस पॉलिसी का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हम इस नीति का विरोध करते हैं। इसी के साथ केंद्रीय कृषि मार्केटिंग बिल के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पास कर दिया गया।

हाथ में अब हथियार नहीं...

हथकड़ी में रील्स बना रहे हैं बिहार के युवा

● युवाओं में बदलता ट्रेंड देख पुलिस भी है हैरान

● कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही बिहार पुलिस

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक नया ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है। हथियारों के साथ रील्स बनाने का जमाना गया, अब यहां के युवा हथकड़ी पहनकर रील्स बना रहे हैं। ये रील्स पुलिस हिरासत में बनाई जा रही हैं और सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही हैं। इस ट्रेंड को लेकर युवाओं का कहना है कि यह सिर्फ मनोरंजन के लिए है।

लेकिन पुलिस और कानून के जानकार इसे गंभीरता से ले रहे हैं। दरअसल, पहले युवा हथियारों के साथ रील्स बनाकर अपनी दबंगई दिखाते थे। अब वे पुलिस की गिरफ्त में होने का नाटक करके रील्स बना रहे हैं। इससे एक नया तरह का अपराध भी सामने आ रहा है। यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं है, बल्कि यह कानून की नजर में भी अपराध है। युवाओं इस ट्रेंड से पुलिस भी परेशान है। पुलिस का मानना है कि इससे हथकड़ी पहनकर पहचान उजागर करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। यह

युवाओं के लिए एक गलत संदेश दे रहा है। पुलिस इस ट्रेंड पर रोक लगाने के लिए कदम उठा रही है। अधिवक्ता सुबोध कुमार झा का कहना है कि न्यायालय परिसर फोटोग्राफी प्रोहिबिटेड एरिया में आता है। जिसमें वीडियो बनाना कानूनन अपराध है। यह अपराध और अधिक बढ़ जाता है जब आप कस्टडी में हों।

प्रयागराज नो व्हीकल जोन, नई ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के लिए प्रशासन ने बनाया मास्टर प्लान

लखनऊ (एजेंसी)। दुनिया का सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ अब अपने समापन की ओर है। इस वजह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ स्नान करने के लिए प्रयागराज पहुंच रही है। श्रद्धालुओं की स्थिति को देखते हुए मेला प्रशासन ने नई ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। 26 फरवरी यानी महाशिवरात्रि के बाद मेला समाप्त हो जाएगा। इस वजह से आज शाम 4 बजे के बाद मेला क्षेत्र पूरी तरह से नो व्हीकल जोन हो जाएगा और ये आदेश महाशिवरात्रि के पूरे दिन लागू होगा। हालांकि प्रशासन ने आवश्यक वस्तुओं के लिए वाहनों को रियायत दी जाएगी। शिवरात्रि पर स्नान करने के लिए प्रयागराज प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं को नजदीकी घाट पर ही जाने की अपील की है। मेला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि नजदीकी स्नान घाटों पर ही डुबकी लगाएं। इसके

लिए बताया गया है कि दक्षिण झूंसी से आने वाले श्रद्धालु ऐरावत घाट पर स्नान करें। वहीं उत्तरी झूंसी से आने वाले श्रद्धालु हरिश्चंद्र घाट और संगम ओल्ड जीटी घाट पर स्नान करें। वहीं परेड ग्राउंड आने वाले श्रद्धालु संगम द्वार पर स्थित भारद्वाज घाट, नागवासुकी घाट, मोरीघाट, कालीघाट, रामघाट, हनुमान घाट पर स्नान करें। जबकि अरैल से आने वाले श्रद्धालु संगम घाट अरैल घाट पर स्नान करने की अपील की गई है। इसके साथ ही मेला प्रशासन ने लखनऊ-प्रतापगढ़ से आने वाले श्रद्धालुओं को फाफामऊ घाट पर, चित्रकूट, रीवा और मिर्जापुर से आने वाले लोगों के लिए अरैल घाट जबकि कौशांबी से आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए संगम क्षेत्र निर्धारित किया गया है। मेला प्रशासन द्वारा जिले में 36 वाहन पार्किंग की व्यवस्था पेश की गई है। वहीं ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए योगी सरकार ने पांच सीनियर आईपीएस अधिकारियों को ग्राउंड पर उतारा है। इसके साथ ही प्रशासन ने इस बात का ध्यान रखा है कि जिले वासियों को आवश्यक सामग्री जैसे दूध, सब्जी, दवाई, पेट्रोल-डीजल, एंबुलेंस आदि के वाहनों के साथ सरकारी कर्मचारियों, डॉक्टरों को नहीं रोका जाएगा। 13 जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ मेला 26 फरवरी तक चलने वाला है। ये मेला 12 साल बाद आयोजित किया गया है। अभी तक इस मेले में 63 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री पवित्र संगम में स्नान कर चुके हैं। चूंकि महाशिवरात्रि के बाद महाकुंभ समाप्त हो जाएगा इस वजह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ स्नान करने पहुंच रही है।

दिल्ली विधानसभा से एएपी के 21 विधायक सस्पेंड

कैग रिपोर्ट पर हंगामा कर रहे थे, स्पीकर गुप्ता का ऐक्शन

खुलासा-एएपी की शराब नीति से 2002 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में शराब नीति पर कैग रिपोर्ट पेश की गई। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने रिपोर्ट सदन में रखी। एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि पिछली सरकार ने इस रिपोर्ट को रोककर रखा था। इसे सदन में नहीं रखा। उन्होंने संविधान का

खुलेआम उल्लंघन किया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को 2002 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। पॉलिसी कमजोर थी और लाइसेंस प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। एक्सपर्ट पैनल ने पॉलिस में कुछ बदलाव के सुझाव दिए थे, जिन्हें तत्कालीन डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया। इससे पहले सदन में विपक्षी पार्टी एएपी ने सीएम हाउस में भगत सिंह और अंबेडकर की तस्वीरों के मुद्दे पर हंगामा किया। आप विधायकों ने हाय मोदी-मोदी की नारेबाजी की।

1984 सिख विरोधी दंगा : दिल्ली की अदालत ने सज्जन कुमार को सुनाई उम्र कैद की सजा

नई दिल्ली। साल 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्र कैद की सजा सुनाई है। यह मामला 1 नवंबर 1984 को दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में दो सिख नागरिक जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह को जिंदा जलाने का है। इस दौरान सिखों का नरसंहार हुआ था और उनके घरों को आग के हवाले कर दिया गया था। अदालत ने गत 12 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी करार दिया था। इस मामले को लेकर शुरुआत में पंजाबी बाग थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में जस्टिस जी.पी. माथुर कमेटी की सिफारिश पर गठित विशेष जांच दल ने आरोप पत्र दाखिल किया। समिति ने 114 मामलों को फिर से खोलने की सिफारिश की थी, जिनमें यह मामला भी शामिल था। अदालत ने 16 दिसंबर 2021 को सज्जन कुमार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147, 148 और 149 के तहत दंडनीय अपराधों के साथ-साथ धारा 302, 308, 323, 395, 397, 427, 436 और 440 के साथ धारा 149 के तहत दंडनीय अपराधों के लिए आरोप तय किए। एसआईटी ने आरोप लगाया कि सज्जन कुमार ने भीड़ को हमला करने के लिए उकसाया, जिसके बाद भीड़ ने सरदार जसवंत सिंह और सरदार तरुणदीप सिंह को जिंदा जला दिया और उनके घर के सामान लूट लिए। इस दौरान उनका घर भी जला दिया गया था। इस हमले में घर के कई लोग घायल भी हुए थे। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 1 नवंबर 2023 को सज्जन कुमार का बयान दर्ज किया था। उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया था। इन दंगों में सिख समुदाय के हजारों लोगों को निशाना बनाया गया था।

द्वारका में आग से दो वाहन, किराना दुकान क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली । दिल्ली के द्वारका सेक्टर-16 क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक मकान में आग लग जाने से दो वाहन, घरेलू सामान और वहां स्थित एक किराना दुकान जलकर नष्ट हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना तड़के तीन बजकर 21 मिनट पर मिली, जिसके बाद आजाद नगर इलाके में घटनास्थल पर दमकल की आठ गाड़ियां भेजी गईं। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। मामले में जांच जारी है।

राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार की सुबह आसमान साफ रहा और न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में हल्के बादल छाए रहने और हवाएं चलने का अनुमान लगाया। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 93 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई है। दिल्ली में सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 188 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली नगर निगम की मंगलवार को हुई बैठक अनैतिक और अवैध : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा महामंत्री एवं सांसद योगेन्द्र चंदोलिया, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह और प्रदेश मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आज हुई बैठक को अनैतिक व अवैध बताया है। भाजपा नेताओं ने यहां एक बयान में कहा कि दिल्ली भाजपा महापौर द्वारा नगर निगम अधिनियम 1952 (डीएमसी एक्ट 1952) का उल्लंघन कर एमसीडी सदन की अवैध रूप से की गई बैठक की कार्यवाही की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि इस सदन की बैठक को नगर निगम आयुक्त और संपूर्ण विपक्षी पार्षदों की अनुपस्थिति में आयोजित किया गया। इसमें मुश्किल से 25 से 30 आआपा के पार्षद ही उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि एजेंडा में कई ऐसे पुराने मुद्दे शामिल थे, जिन्हें कई बार टाला गया है। इससे एमसीडी पर गंभीर आर्थिक दुष्प्रभाव पड़ सकता है, जिसकी जांच आवश्यक है। भाजपा नेताओं ने आयुक्त से इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए आग्रह किया कि वह 25 फरवरी को आयोजित सदन बैठक को अवैध एवं परित्यक्त घोषित करें। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह ने आज इस संदर्भ में एक विरोध पत्र निगमायुक्त को सौंपा।

ठगी के मामले में पुलिस ने आरोपित को केरल से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) पुलिस ने फर्जी दस्तावेज के जरिए लोगों को विदेश भेजने का झांसा देकर ठगी करने वाले एजेंट को केरल से गिरफ्तार किया है। आरोपित एजेंट एमबीए डिग्री धारक है और केरल में अपना कंसल्टेंसी ऑफिस चला रहा था। एजेंटों के संपर्क में आकर ठगी करने लगा। गिरफ्तार आरोपित की पहचान कैनाल रोड थोट्टाक्कटुकल केरल निवासी रूपेश पीआर के रूप में हुई है। आईजीआई की डीसीपी ऊषा रंगनानी ने बताया कि 25 जनवरी को त्रिपुरा निवासी डिजो डेविस दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा। उसे इटली से निर्वासित किया गया था। यात्रा दस्तावेज जांच में उसके पास से इटली का एक फर्जी रेजिडेंट परमिट मिला। पुलिस ने यात्री के खिलाफ फर्जीवाड़ा का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में डिजो डेविस ने बताया कि उसके कुछ दोस्त बेहतर आजीविका के लिए विदेश गए थे।

सरकार 'विकसित दिल्ली संकल्प पत्र' को मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में अपनाएगी: उपराज्यपाल सक्सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में 'विकसित दिल्ली संकल्प पत्र' को अपनाएगी।

नवगठित आठवीं दिल्ली विधानसभा को संबोधित करते हुए सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी के लिए दिल्ली सरकार के दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि नई सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन, महिला सशक्तीकरण, स्वच्छ दिल्ली, यमुना के कायाकल्प और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

उपराज्यपाल ने दावा किया कि पिछले एक दशक से लगातार राजनीतिक टकराव और आरोप-प्रत्यारोप के कारण दिल्ली की प्रगति बाधित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए नई सरकार केंद्र और अन्य राज्यों के साथ समन्वय में काम करेगी।

नई सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं को सूचीबद्ध करते हुए सक्सेना ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, बेहतर शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, गरीबों का कल्याण, विश्व स्तरीय सड़कें, प्रदूषण मुक्त दिल्ली, स्वच्छ पेयजल, अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण और यमुना के पुनरुद्धार सहित कई क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि सभी विभागों को इन प्राथमिकताओं के क्रियान्वयन के लिए 100 दिन की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार सत्र के दौरान नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट भी पेश करेगी, ताकि पिछली सरकार की कमियों का विश्लेषण किया जा सके और सुधार के लिए खाका तैयार किया जा सके।

आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए सक्सेना ने कहा, ''मेरी सरकार का प्राथमिक उद्देश्य धुंआधार विज्ञापन के जरिए छिपाई गई घटिया व्यवस्था को खत्म करना और शासन को फिर से पटरी पर लाना होगा।''

इससे पहले दिन में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सक्सेना के अभिभाषण के दौरान नारेबाजी करने के आरोप में विपक्ष की नेता आतिशी समेत 12 आप विधायकों को सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया।

आप के जिन नेताओं को सदन की कार्यवाही से निलंबित किया गया है उनमें आतिशी, गोपाल राय, वीर सिंह धींगान, मुकेश अहलावत, चौधरी जुबैर अहमद, अनिल झा, विषेश रवि और जरनैल सिंह शामिल हैं। अपने निलंबन के बाद आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मुख्यमंत्री कार्यालय से बी. आर. आंबेडकर की तस्वीर हटाने और उनका अपमान करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने दिल्ली सचिवालय और विधानसभा दोनों में मुख्यमंत्री के कार्यालय से आंबेडकर के चित्रों को हटा दिया है।

उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा, ''भाजपा ने बाबासाहेब आंबेडकर के चित्र को हटाकर अपना असली रंग दिखाया है। क्या वह मानती है कि (नरेन्द्र) मोदी बाबासाहेब की जगह ले सकते हैं?''

महाकुम्भ से मानवता का संदेश

दिव्य-भव्य-डिजिटल
एकता का महाकुम्भ

अमृत स्नान के दौरान संगम की धारा में करतब दिखाती महिला साधु

भूटान के महामहिम नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक जी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संगम में स्नान के बाद मां गंगा की आरती करती कल्पवासी

भारत की एकता के महायज्ञ महाकुम्भ-2025, प्रयागराज में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पवित्र त्रिवेणी संगम में पावन स्नान कर मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती का शुभाशीष प्राप्त किया। प्रधानमंत्री जी ने भारत की जीवन रेखा, अध्यात्म और संस्कृति की सनातन स्रोत मां गंगा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर समस्त देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

प्रयागराज के दिव्य-भव्य महाकुम्भ में आस्था, भक्ति और अध्यात्म का संगम हर किसी को अभिभूत कर रहा है। पावन-पुण्य प्रयागराज महाकुम्भ में पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

संगम नोज पर स्नान करने के लिए अपनी बारी के लिए प्रतीक्षारत अखाड़ों के संत

संगम तट पर त्रिवेणी में स्नान के उपरांत पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

संगम तट पर अमृत स्नान में शामिल होते विदेशी पर्यटक और संन्यासी

अब तक 56 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

- महाकुम्भ में भीड़ की स्थिति को देखते हुए मेला क्षेत्र में मार्ग परिवर्तन (डायवर्जन) व्यवस्था लागू, अलग-अलग जगहों पर 88 होल्डिंग एरिया की व्यवस्था
- सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए वन-वे व्यवस्था लागू
- बसंत पंचमी पर पवित्र त्रिवेणी संगम में साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने किया अमृत स्नान
- अमृत स्नान पर सभी घाटों और अखाड़ों के साथ स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा
- घोड़ों पर सवार होकर और पैदल चल रहे नागा साधुओं ने शस्त्रों के साथ अपनी युद्ध कला का प्रदर्शन किया
- अखाड़ों का नेतृत्व कर रहे नागा साधुओं के अद्भुत प्रदर्शन ने हर किसी को किया मंत्रमुग्ध
- संगम तट पर पुष्पवर्षा से अभिभूत संतों, संन्यासियों और श्रद्धालुओं ने लगाए जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे
- नागा संन्यासियों को देखने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़
- महाकुम्भ में नागा संन्यासियों के साथ ही देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालु बने अमृत स्नान के साक्षी
- साधु-संतों ने की अमृत स्नान की व्यवस्थाओं की प्रशंसा
- हर-हर गंगे के जयघोष से गूंजा संपूर्ण महाकुम्भ क्षेत्र
- सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच दिव्य और भव्य रहा अमृत स्नान
- सभी आलाधिकारियों ने मौके पर रहकर की व्यवस्थाओं की निगरानी
- महाकुम्भ का डिजिटल स्वरूप बना आकर्षण का केंद्र
- महाकुम्भ में देखने को मिल रही विविध संस्कृतियों की झलक
- अयोध्या में श्रद्धालुओं का 'बसंत', आंकड़ा एक करोड़ के पार, महाकुम्भ से श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी
- महाकुम्भ के तपस्वी नगर में दिगम्बर अनी अखाड़ों के साधकों ने आरंभ की पंच धूनी की कठिन तपस्या
- अमृत स्नान पर्व से शुरू हुई वैष्णव अखाड़ों की अद्भुत अग्नि स्नान साधना
- अमृत स्नान पर महाकुम्भ में दिखा सेवा और समर्पण का अद्वितीय संगम, श्रवण कुंभ से हजारों श्रद्धालु हुए लाभान्वित
- श्रद्धालुओं के आंख-कान की नि:शुल्क जांच के साथ उपकरणों का किया जा रहा वितरण
- प्रदेश भर में संचालित वृद्धाश्रमों के बुजुर्गों को महाकुम्भ में अमृत स्नान करा रही है प्रदेश सरकार
- कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र और उड़ीसा से करोड़ों की संख्या में संगम आये श्रद्धालु
- देश भर से आये श्रद्धालु महाकुम्भ की व्यवस्थाओं की कर रहे हैं तारीफ

—आगामी प्रमुख स्नान पर्व—
महाशिवरात्रि - 26 फरवरी, 2025

महाकुम्भ की व्यवस्था को साधु-संतों ने खूब सराहा

महाकुम्भ स्वयं ही अमृत स्नान है। मुगल शासन के दौरान जिसे शाही स्नान कहा जाता था, आज वैदिक संस्कृति में उसे अमृत स्नान के नाम से जाना जाता है। गंगा मात्र दर्शन से ही पापों से मुक्त करने की क्षमता रखती है, और हम यहां त्रिवेणी में उपस्थित हैं।

-महामंडलेश्वर आचार्य ज्योतिर्मयानंद गिरी महाराज, निरंजनी अखाड़ा

अमृत स्नान बहुत शांतिपूर्वक और उत्कृष्ट तरीके से संपन्न हुआ। इस कुम्भ मेला का उद्देश्य विश्व में शांति और एकता स्थापित करना है। सभी को इससे एक सीख लेनी चाहिए। यहां सभी जाति और धर्म के लोग एकत्रित होते हैं। एकता, समृद्धि और भाईचारे की भावना बनी रहे।

-पीठाधीश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती, अटल अखाड़ा

महाकुम्भ में बसंत पंचमी के दिन अमृत स्नान पर्व पर पूरे विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करने का अवसर रहा। यहां सभी प्रकार के लोग आए हैं। प्रशासन द्वारा किए गए इंतजाम उत्कृष्ट हैं।

-महामंडलेश्वर विश्वेश्वरानंद सरस्वती महाराज, महानिर्वाणी अखाड़ा

बसंत पंचमी के अवसर पर 'अमृत स्नान' हो रहा है। मुझे नहीं लगता कि इससे पहले कभी कुम्भ में इतनी बड़ी संख्या में लोग आए होंगे। बच्चों और बुजुर्गों को पहले स्नान कराया जाना चाहिए। श्रद्धालुओं को सभी का ध्यान रखना चाहिए।

-आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर

महिलाओं को सशक्त,स्वाबलंबी एवं उद्यमी बनाना सरकार का लक्ष्य : शिवाराज सिंह

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहयोग से आयोजित सरस आजीविका मेला 2025 का विधिवत उद्घाटन किया गया। वर्चुअली माध्यम से जुडे केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने समारोह को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं देश के बडे औद्योगिक शहर नोएडा में केंद्र सरकार के सरस मेले का आयोजन अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है। सरकार का लक्ष्य देशभर की महिलाओं को सशक्त स्वाबलंबी एवं उद्यमी बनाने का है। इसके लिए सभी राज्यों के गांवों इनके द्वारा स्वयं सहायता समूह चलाए जा रहे है; मात2शक्ति अब अबला नहीं बल्कि सबला बन चुकी है। आज के इस आयोजन में वर्चुअली जुडा हू इसकी सफलता की कामना करते हुए मंत्रालय की पूरी टीम एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के भी सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करता हूं; साथ ही देश के कौने-कौने से आई सभी दीदियों को उनकी इस अटूट सफलता के लिए बधाई देता हूं। इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं संचार राइय मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि यहां आकर यह मेला एक मेला ही नहीं बल्कि एक आंदोलन लग रहा है। ऐसे आयोजनों से आज महिला सिर्फ कामगार नहीं बल्कि काम देने वाली बन रही हैं। भारत की आर्थिक प्रगति की नेता हैं। यहां ग्रामीण विकास राइयमंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि सरस मेलों का यह 5वां संस्करण है, जिसमें 225 स्टॉल तथा एक हजार से अधिक उत्पादों की वैरायटी है। सरस मेला आज ब्रांड बन गया है, जो हमारी दीदियों को आत्मनिर्भर बना रहा है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने कहा कि आज मेले को हम एक अलग स्वरूप में देख पा रहे हैं, जिसकी हमें अपार खुशी है।15 अगस्त 202& को प्रधानमंत्री जी ने लखपति दीदी नाम का आह्वान किया था। मंत्रालय ने तभी लक्ष्य को निर्धारित करने का ठाना है।

जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा न्र कहा कि आज मेले का 5वां दिन है। हमें खुशी है यह मेला पिछली बार से दोगुनी उपलब्धि हांसिल करेगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेले की किसी भी व्यवस्था में न तो कोई चूक है और न ही आगे भी होगी। इस अवसर पर यहां मंत्रालय के सचिव शैलेष कुमार सिंह, अपर सचिव टी के अनिल कुमार, उप महानिदेशक गया प्रसाद, निदेशक मोली श्री, निदेशक राजेश्वरी, अवर सचिव आलोक जवाहर, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया, शोध अधिकारी सुधीर कुमार सिंह तथा सुरेश प्रसाद उपस्थित थे।

मेले ने पांचवें दिन उद्घाटन के साथ ही गति पकड़ ली है। यहां हैंडलूम और हैंडीक्रा ट उत्पादों की जमकर बिक्री हुई। यह मेला 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक नोएडा हाटए सेक्टर.&5ए में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य ग्रामीण भारत की समृद्ध शिल्प कला और संस्कृति को शहरी लोगों के साथ जोडना है। मेले में महिलाओं के लिए राजस्थानए गुजरात और छत्तीसगढ़ की बैड शीट खास आकर्षण का केंद्र रहीं। ये उत्पाद न केवल सुंदर हैंए बल्कि टिकाऊ और आरामदायक भी हैं। इसके अलावाए मेले में 400 से अधिक महिला शिल्पकारों ने अपने हस्तकला और पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया। ये महिलाएं विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और अपने कौशल के जरिए ग्रामीण संस्कृति को जीवंत कर रही हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी जलवा मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद लिया जा रहा है। पांचवें दिन पंजाब के प्रवीन आर्या ग्रुप के कलाकारों ने सुप्रसिद्ध पंजाबी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं, हीटेक इंटरनेशनल स्कूलए गाजियाबाद की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया।

किसानों की समस्याओं का समाधान ना होने पर होगी विशाल महापंचायत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) के नेताओं ने जिला कलेक्ट्रेट में डी.एम. और ए.डी.एम. प्रशासन से मिलकर 10% प्लॉट एवं नए कानून के लाभ दिए जाने के सन्दर्भ में सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए तीनों प्राधिकरणों एवं अन्य संस्थानों के साथ 10 मार्च तक वाताएँ कराने का लिखित अल्टीमेटम जिला प्रशाशन को दिया, तय समय में वाताएँ नहीं कराए जाने पर जिला कलेक्ट्रेट में विशाल किसान महापंचायत की घोषणा कर व्यापक आन्दोलन शुरू करने की दी चेतावनी।संयुक्त किसान मोर्चा एस.के.एम. में जुड़े हुए सभी 14 किसान संगठनों के किसान नेताओं के प्रतिनिधि मंडल ने आज सुबह 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट गौतम बुद्ध नगर पहुंचकर जिलाधिकारी गौतम नगर एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन से मुलाकात कर पुराने कानून के तहत जमीन लिए जाने से प्रभावित किसानों को 10% विकसित प्लॉट, बढ़ा हुआ प्रतिकर आदि लाभ दिए जाने एवं 1 जनवरी 2014 को बाद जमीन लिए जाने अथवा नया कानून लागू होने के बाद किसी परियोजना में अधिग्रहण का अवॉर्ड पास किए जाने से प्रभावित सभी किसानों को नए भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के अनुसार बाजार दर का 4 गुना मुआवजा, 20% प्लॉट दिए जाने और सभी भूमिधर तथा भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार तथा पुनर्वास भत्ता दिए जाने के साथ ही आबादियों का उचित निस्तारण किए जाने की मांग को लेकर सरकार से जवाबदेही की मांग की, रडट की ओर से पूर्व में हुए किसान आंदोलन के दौरान शासन प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासनों

के अनुसार तीनों प्राधिकरणों एवं शासन स्तर की वार्ता कराए जाने तथा जनपद में चल रही विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित संस्थाओं के साथ वाताएँ कराये जाने के सम्बन्ध में दिए गए आश्वासनों की वादा खिलाफी किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने कलेक्ट्रेट में ही तत्काल सर्व सम्मति से निर्णय लेते हुए लिखित ज्ञापन तैयार कर अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे को सौंपा। किसानों ने 10 मार्च तक तीनों प्राधिकरणों एवं अन्य संस्थाओं के साथ वाताएँ कराने का अल्टीमेटम देते हुए, चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन द्वारा 10 मार्च 2025 तक उक्त सभी प्राधिकरणों एवं अन्य संस्थानों से वाताएँ कराकर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता है तो, जिला कलेक्टर गौतमबुद्धनगर के प्रांगण में विशाल किसान महापंचायत का आयोजन कर व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

महाशिवरात्रि, होली और रमजान के त्योहारों की सुरक्षा को लेकर पुलिस सतर्क, व्यापारियों संग की गई बैठक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : कमिश्नरेट पुलिस आगामी त्योहारों महाशिवरात्रि, होली और रमजान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने सेंट्रल नोएडा जोन के अधिकारियों के साथ पुलिस ऑफिस सूरजपुर में व्यापारियों के साथ बैठक की। इस दौरान व्यापारियों से त्योहारों के दौरान संभावित चुनौतियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया गया। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस उनकी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की समस्या या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर व्यापारी तुरंत पुलिस से संपर्क करें। पुलिस हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। बैठक में व्यापारियों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को रखा, जिनका पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा प्रबंध किए जाएंगे। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई जाएगी, बाजारों में गश्त बढ़ाई जाएगी, और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस प्रशासन ने सभी व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति में वे तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें।

नोएडा में पुलिस से मुठभेड़, घायल बदमाश जिला अस्पताल से भागा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : कोतवाली फेज वन पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल बदमाश जिला अस्पताल से पुलिस को चकमा देकर आग निकला। घायल बदमाश का इलाज पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में चल रहा था। पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश के पैर में गोली लगी थी। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। सोमवार देर रात को कोतवाली फेज वन पुलिस के साथ मुठभेड़ में बेगूसराय बिहार निवासी बदमाश श्याम कुमार के पैर में गोली लगी थी। पुलिस ने इसके साथी को भी कांबिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया था। घायल बदमाश श्याम कुमार को जिला अस्पताल में उप निरीक्षक विवेक, भूपेंद्र और सुनील की निगरानी में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। मंगलवार सुबह घायल बदमाश श्याम जिला अस्पताल से भाग निकला।

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त हुए जिलाधिकारी, हेलमेट-सीटबेल्ट अनिवार्य करने के निर्देश

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतमबुद्धनगर : जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और मृत्यु दर को 50% तक कम करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति और जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को कलक्टरेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने पर जोर दिया गया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और चारपहिया वाहन चालकों के लिए सीटबेल्ट का प्रयोग अनिवार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि "नो हेलमेट, नो फ्यूल" अभियान को सख्ती से लागू किया जाए और बिना हेलमेट या सीटबेल्ट के सरकारी व गैर-सरकारी कार्यालयों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों में प्रवेश पर रोक लगाई जाए। जिलाधिकारी ने

परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में अवैध बस, टेंपो और टैक्सी स्टैंड को समाप्त कर वैध स्टैंडों का निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अतिक्रमण को रोकने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया। साथ ही, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ब्लैक स्पॉट की संख्या को कम करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संयुक्त निरीक्षण कर कार्ययोजना तैयार करें और अवैध कटों को जल्द से जल्द दुरुस्त करें। उन्होंने परिवहन विभाग को स्कूल वाहनों की नियमित जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के कोई भी स्कूल वाहन सड़कों पर न उतरे। साथ ही, स्कूली बस चालकों की आंखों और स्वास्थ्य की जांच भी अनिवार्य रूप से कराई जाए। बैठक में लोक निर्माण विभाग और प्राधिकरण के अधिकारियों को टूटी सड़कों की मरम्मत जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए। वहीं, ओवरलोड वाहनों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। गांव-गांव पंचायत बैठकों में स्वास्थ्यकर्मियों और आशा कार्यकताओं के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का निर्णय लिया गया।

इसके अलावा, आवारा पशुओं को सड़कों पर घूमने से रोकने और अवैध वाहनों को जब्त करने के लिए डंपिंग यार्ड के निर्माण के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पांडेय, यात्री कर अधिकारी के जी संजय, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता शुभम सारस्वत, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नोएडा अमर सिंह, पुलिस निरीक्षक, जिला पूर्ति अधिकारी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी सहित बस और ट्रक यूनियन व गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

नोवरा के प्रयास से ग्रामीणों को मिलेगा खेल मैदान,डीजीएम ने दिया आश्वासन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अब नोएडा के ग्रामीणों को खेलने के लिए खेल मैदान मिलेगा।इसका आश्वासन नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल ने दिया है।बता दे कि आज यहाँ नंगली साखपुर गाँव सेक्टर 134 में नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल के साथ नोएडा विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन द्वारा ग्रामीण समस्याओं के ऊपर एक बैठक आयोजित की गई जिसमें नगली साखपुर समेत छ गाँवों की समस्याएं सुनी गई , इस दौरान संस्था के अध्यक्ष रंजन तोमर द्वारा संवाददाताओं से बात करते हुए जानकारी दी कि सीईओ लोकेश एन द्वारा दौ गाँवों में खेल सुविधा बनाने हेतु जो सुझाव उनसे मांगे गए थे उनमें नंगली साखपुर एक गाँव था , इस बाबत और ग्रामीण समस्याओं के निस्तारण हेतु यह बैठक आयोजित की गई।इस दौरान नजदीकी कई गाँवों जैसे नंगली नंगला , नंगली बाजिदपुर , रोहिल्लापुर , शाहपुर समेत अन्य गाँवों के किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे जिन्होंने अपने अपने गाँवों की समस्याओं से डीजीएम विजय रावल को अवगत करवाया। जिनमें मुख्यतः जल और सीवर की निकासी से सम्बंधित थी।नंगली साखपुर में सार्वजानिक शौचालय , बस स्टॉप ,नालियों की निकासी , सीवर एवं रोड बनवाने की मांग उठाई गई , नंगली बाजिदपुर , नंगली नंगला से भी सीवर और पानी की निकासी की बात सामने रखी गई , शाहपुर में गलियों पर हो रहे अतिक्रमण एवं रोहिल्लापुर में बरात घर में बदलाव की मांग ग्रामीणों के रखी।श्री रावल ने समस्याओं का निरिक्षण किया और मौके पर ही उनके निस्तारण की बातें अधिकारीयों से की,गाँवों में जल एवं सीवर और रोड की मांगों पर फाइल जल्द से जल्द निस्तारित कर काम शुरू करने की बात श्री रावल ने कही।अन्य कार्यों पर भी जल्द एस्टीमेट बनवाने हेतु मांग रखी गई।वही सत्र चलने के कारण विधायक तेजपाल नागर उपस्थित ना हो सके लेकिन उन्होंने फोन से प्राधिकरण के अधिकारीयों को समस्याओं को जल्द से जल्द निस्तारित करने के आदेश दिए।बता दे कि विधान सभा सत्र के कारण वह कार्यक्रम में नहीं पहुँच सके।इस दौरान संस्था के संरक्षक अजीत सिंह तोमर बजरंगी ,उपाध्यक्ष अजय चौहान , महासचिव पुनीत राणा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।वही भिन्न गाँवों से टीकम सिंह चौहान उर्फ गुड्डू (समाजसेवी), प्रमोद चौहान , वेदप्रकाश चौहान , कुंदन चौहान , गिरिराज चौहान,टीकम चौहान , राकेश चौहान , पवन सिंह चौहान आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नोएडा में पुलिस और मोबाइल लुटेरों के बीच मुठभेड़, एक बदमाश घायल, दूसरा गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : नोएडा के थाना फेस-1 क्षेत्र में पुलिस और मोबाइल लुटेरों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाशों के पास से चोरी के छह मोबाइल फोन, एक अवैध हथियार और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। घटना सेक्टर-15ए के पास चेकिंग के दौरान हुई, जब थाना फेस-1 पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान, सेक्टर-16 की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवक आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे बिना रुके भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया तो घबराहट में उनकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। इसी बीच, एक बदमाश ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश घायल हो गया। एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान श्याम कुमार उर्फ बब्बल (26) निवासी बेगूसराय, बिहार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में पटपड़गंज, दिल्ली में रह रहा था। वहीं, उसके साथी समीर अली (22) निवासी पटपड़गंज, दिल्ली को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से छह चोरी के मोबाइल फोन, एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा, उनके

पास से चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी मिली, जो दिल्ली के ई-पुलिस स्टेशन एमवी थेफ्ट में दर्ज एक मामले से जुड़ी थी। बरामद मोबाइल फोनों में से एक नोएडा के थाना फेस-1 में दर्ज मुकदमे और एक दिल्ली के थाना कल्याणपुरी में दर्ज मुकदमे से संबंधित पाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि श्याम कुमार उर्फ बब्बल के खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि समीर अली पर दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब उनके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

रामाज्ञा स्कूल ग्रेटर नोएडा द्वारा वार्षिक खेल दिवस मनाया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। रामाज्ञा स्कूल ग्रेटर नोएडा द्वारा

वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया।स्कूल का खेल का मैदान जोश, जुनून और उत्साह से भरा हुआ था। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आलोक नागर, डेल्टा टू के अध्यक्ष बॉबी भाटी, उपाध्यक्ष रिंकू भाटी के आगमन के साथ हुई। छात्रों ने दौड़ प्रतियोगिता,बैंड डिस्प्ले, मार्च पास्ट, ट्रैक इवेंट, स्कूल ड्रिल, हूला हूप्स, तीरंदाजी और ताइक्वांडो से लेकर ऊजार्वान और उछाल वाले खेल कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन किया।उन्होंने अपने ऊजार्वान प्रदर्शनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।अपने बच्चे को प्रदर्शन करते देख गर्वित माता-पिता खुशी से भर गए। स्कूल की प्रिंसिपल श्रेष्ठता त्रिपाठी अभिभावक और सभी शिक्षक छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए मौजूद थे। मुख्य अतिथि ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों के जीवन में खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्हें लड़कियों को लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेते देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने स्कूल की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती श्रेष्ठता त्रिपाठी की भी सराहना की। इस मौके पर काफी संख्या पेरेंट्स शहर के सम्मानित लोग मौजूद रहे।

साइबर ठगों का पदार्फाश: 84 लाख की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपी चंडीगढ़ से गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतमबुद्धनगर : नोएडा साइबर थाना पुलिस ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 84,16,979 रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने चंडीगढ़ से राम सिंह, नरेंद्र सिंह चौहान और अक्षय कुमार को दबोच लिया। गिरोह पीड़ितों को डिजिटल तरीके से जाल में फंसाकर ठगी करता था। डीसीपी साइबर प्रीति यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि नोएडा के सेक्टर-45 की रहने वाली एक महिला ने 26 अप्रैल 2024 को साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ अज्ञात साइबर अपराधियों ने खुद को फेडेक्स कोरियर कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उन्हें कॉल किया। आरोपियों ने कहा कि उनके नाम से एक संदिग्ध पार्सल पकड़ा गया है, जिसमें पांच ट्रैवलिंग पासपोर्ट, तीन क्रेडिट कार्ड, एक लैपटॉप, चार किलो कपड़े, 200 ग्राम एनडीएमए और 35,000 रुपये नकद पाए गए हैं। इसके बाद आरोपियों ने खुद को सरकारी अधिकारी बताते हुए पीड़िता पर मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा आरोप लगाया और डराकर उनसे 84,16,979 रुपये ठग लिए। जांच के दौरान पुलिस ने संदेहास्पद बैंक

खातों को तुरंत फ्रीज कर दिया और साक्ष्य एकत्र करने के बाद मामले में धारा 468 और 120बी आईपीसी जोड़ी गई। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वे निजी बैंकों के कुछ कर्मचारियों से मिलीभगत कर लोगों के नाम पर करंट खाते खुलवाते थे और ठगी की रकम उन खातों में मंगवाते थे। इस केस में आरोपी राम सिंह ने सहअभियुक्तों के साथ मिलकर इंडसइंड बैंक में एक खाता खुलवाया था, जिसमें 25 जून 2024 को लगभग 69.78 लाख रुपये जमा हुए थे। यह रकम बाद में आपस में बांट ली गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता के ठगे गए 21 लाख रुपये फ्रीज कराए और 16 लाख रुपये वापस दिलवा दिए। शेष राशि की वापसी के लिए कानूनी प्रक्रिया जारी है। आरोपियों के बैंक खातों को एनसीआरपी पोर्टल पर चेक करने पर पता चला कि इनके खिलाफ देशभर में 41 साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। इनमें महाराष्ट्र से 7, कर्नाटक से 6, तेलंगाना से 5, केरल से 4, बिहार से 3, गुजरात से 3, उत्तर प्रदेश से 3, हरियाणा से 2, मध्य प्रदेश से 2, तमिलनाडु से 2, आंध्र प्रदेश से 1, नागालैंड से 1, पंजाब से 1 और पश्चिम बंगाल से 1 शिकायत पाई गई है। इस गिरोह के एक अन्य आरोपी उमेश महाजन को पहले ही 30 जुलाई 2024 को दिल्ली से गिरफ्तार किया जा चुका है। इस पूरी कार्रवाई को साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक रणजीत सिंह के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। टीम में निरीक्षक सहसवीर सिंह, उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल आकाश मलिक, रवि कुमार, अरिहंत जैन और कांस्टेबल धर्मदास तोमर शामिल रहे। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों को भी पकड़ा जा सके।

राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के प्रतीक हैं देवाधिदेव शिव

महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊजाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे

प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को ह्यकालों का काल' और ह्यदेवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ह्यह्यजिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से ह्यसगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।'

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे ह्यनीलकंठह्ल के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य और पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

मेलोनी का मास्टर स्ट्रोक

इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने वाशिंगटन में आयोजित कंजर्वेटिव पॉलटिक्स एक्शन कांफ्रेंस में वामपंथ की खुलकर आलोचना करते हुए रूढ़िवादी बातों पर जोर दिया। वीड़ियो लिंक द्वारा दिये भाषण में मेलोनी ने कहा 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर के वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाने पर उन्हें अनुभवी व प्रतिष्ठित राजनेता कहा गया। आज जब ट्रंप, मेलोनी, (अजर्टीना के राष्ट्रपति जेवियर) माइली या शायद (नरेन्द्र) मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। मेलोनी ने कहा यह दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। अच्छी बात यह है कि वे हम पर चाहे जितना कीचड़.उछालें, लोग उनके झूठ पर अब भरोसा नहीं करते। आगे उन्होंने कहा, ट्रंप की जीत से वामपंथी घबराये हुए हैं। उदारवादी नेटवर्क के तौर पर वर्णित संगठन की तीखी आलोचना करते हुए उन्होंने वामपंथियों पर पाखंड़ करने और विश्व स्तर पर रूढ़िवादी नेताओं के उदय पर उन्मादी प्रक्रियाओं पर सीधे वार किए। अति दक्षिणपंथी ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी की नेता मेलोनी के ये तेवर रोम में उनके राजनैतिक विरोधियों के लिए यह सांप लोटने सरीखा है। मेलोनी के विचारों से ट्रंप की यूरोप के प्रति अमेरिकी नीति में बदलाव तथा यूरोपीय सहयोगियों के दरम्यान तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के संकेत स्पष्ट नजर आते हैं। यूरोप के व्यापार असंतुलन व टैरिफ बढ़ाने के ऐलान के बाद से नया विवाद जारी है। कहा जा सकता है कि नये अमरीकी प्रशासन को वह किसी भी कीमत पर नाराज करने को राजी नहीं हैं। इस कांफ्रेंस का मकसद ही दुनिया में रूढ़िवादियों की सबसे बड़ी व प्रभावशाली सभा के रूप में दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का इजहार करना है। तय रूप से वर्तमान समय में मेलोनी या अन्य रूढ़िवादी नेताओं ने वामपंथियों पर तीखे वार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वे जनता के समक्ष उदारवादियों की कलई उतारने और संगठित रूप से अपनी जड़े.मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं। व्यापक प्रचार व तीखे तेवरों के भरोसे वे अपने मकसद में काफी हद तक सफल भी होते जा रहे हैं। विचारणीय है कि बीते दशक में यूरोप में रूढ़िवादी व दक्षिणपंथियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इस पर चिंता भले ही जताई जा रही है, परंतु मतदाताओं की बदलती विचारधारा पर गहन विश्लेषण की जरूरत को भी बरगलाया जाना अनुचित नहीं कहा जा सकता। मेलोनी के तेवरों से रूढ़िवादियों को सीना चौड़ा करने का फिर से सुनहरा मौका हाथ लगा है।

आस्था का महापर्व- प्रयागराज, काशी, अध्योध्या में भक्तों का सैलाब

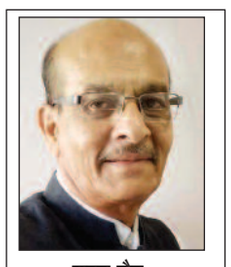

सनत जैन

आस्था के महापर्व में प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ पहुंच रही है। जनवरी और फरवरी का महीना आस्था के महापर्व के रूप में मनाया गया है। प्रयागराज मे महाकुंभ के आयोजन में करोड़ों भक्तों की आस्था देखने को मिली। 12 जनवरी से 26 फरवरी के बीच विभिन्न पर्वों के दौरान प्रयागराज में भक्तों का बड़ी संख्या में आगमन हुआ। 200 किलोमीटर दूर तक जाम लग गया। भगदड़ भी मची। आगजनी की घटनाएं भी हुईं लेकिन भक्तों की आस्था कम नहीं हुई। विभिन्न राज्यों से तथा विदेशों से बड़ी संख्या में भक्त प्रयागराज पहुंचे। भक्तों को कितनी भी कठिनाई हुई, उसकी किसी ने शिकायत नहीं की। अपनी आस्था के केंद्र बिंदु में जिस प्रयोजन के लिए वह वहां पहुंचे थे उसका उन्होंने आस्था के साथ जुड़कर कार्य को पूर्ण किया है। अब महाकुंभ समाप्ति की ओर है। इसके बाद भी भक्तों का रेला प्रयागराज में बना हुआ है। पहले ऐसा लग रहा था, समापन के अवसर पर भक्तों की भीड़ कम होगी, लेकिन इसके विपरीत भक्तों का आगमन बड़ी संख्या में अभी भी जारी है। 25 फरवरी तक प्रयागराज में भक्तों की जो भीड़ देखने को मिली है, वह अपने आप में आश्चर्य पैदा करने वाली है। प्रयागराज के साथ-साथ अब भक्तों की भीड़ बनारस और अयोध्या में बाबा विश्वनाथ और भगवान राम के दर्शन के लिए जा रही है। महाशिवरात्रि के लिए भव्य और ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में की गईं है। महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ भक्तों को लगातार 46 घंटे से अधिक समय तक दर्शन देंगे। 26 फरवरी की सुबह मंगला आरती के बाद से बाबा महाकाल के दर्शन भक्तों को मिलना शुरू हो जाएंगे। 28 फरवरी की रात 1 बजे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन भक्तों को होंगे। बनारस में लाखों की संख्या में भक्त हर घंटे पहुंच रहे हैं। पहली बार शिव बारात महाशिवरात्रि के 1 दिन बाद निकालने का निर्णय आयोजन समिति और जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा विश्वनाथ की बारात नहीं निकलेगी। बाबा अपने मंदिर में ही भक्तों को दर्शन देंगे। बनारस में इन दिनों 20 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 25 फरवरी के बाद से 2 दिन तक वाहनों का प्रवेश बनारस में बंद कर दिया गया है। बाबा विश्वनाथ के सुगम दर्शन हों, इसके लिए वीआईपी व्यवस्था बंद कर दी गई है। सभी भक्त लाइन में लगकर बाबा के दर्शन करेंगे। महाकुंभ के अवसर पर संगम तट पर जो भी श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे थे, अब वे हनुमान जी और बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन कर रहे हैं। जिसके कारण तीनों ही स्थान पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। आस्था के इस महापर्व पर जिस तरह से भक्तों की भीड़ उमड़ी है उसको देखकर सभी आश्चर्यचकित हैं। भक्तों की भारी भीड़ से स्पष्ट है, भारत में धार्मिक आस्था, भक्तों के दिलो और दिमाग में सबसे ऊपर है। भारी भीड़ और अव्यवस्था के बाद भी करोड़ों की संख्या में भक्त धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर अपनी आस्था का प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि 60 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में आकर संगम में डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में इन दिनों दूध, सब्जियां दवाओं, ईंधन, खाने-पीने के सामान की भारी कमी देखने को मिल रही है। आपातकालीन सेवाओं को लेकर भी भारी अफरा-तफरी मची हुई है। इसके बाद भी भक्तों की आस्था का सैलाब कम नहीं हो रहा है। महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ हो जाएगा। इसके बाद भी तीनों धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भीड़ कई दिनों बाद तक बनी रहेगी। भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन भक्तों से दर्शन कर-के अपने-अपने गन्तव्य स्थान पर जाने का अनुरोध कर रहे हैं। जिस संख्या में श्रद्धालु धार्मिक स्थलों पर पहुंच रहे हैं उस संख्या को देखते हुए, यही कहा जा सकता है, कि किसी भी व्यवस्था को बनाए रखना व्यवस्थापकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। अव्यवस्था के बीच व्यवस्था किस तरह से बनती है, इसका श्रेय भक्तों के ऊपर जाता है। भक्तों ने अपनी आस्था को आधार बनाकर हर असुविधा और अपनी तकलीफ को सहज रूप से स्वीकार कर लिया। भक्त अपने जिस लक्ष्य को लेकर वहां पहुंचे थे। उसके अलावा अन्य किसी ओर भक्तों ने ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण अव्यवस्था के बीच किस तरह से व्यवस्था स्वमेव बनती चली जाती है, यह महाकुंभ इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

चिंतन-मनन

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दशार्ने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शमीर्ले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

प्रशंसा करना भी एक कौशल है। जब कोई तुम्हारी प्रशंसा करता है, तो क्या तुम बिना शर्माए उसे स्वीकार करते हो? बिना शर्माए प्रशंसा को स्वीकार करना भी एक कुशलता है। तुम किसी की प्रशंसा कब करते हो? जब वे कुछ अनोखा करते हैं, असाधारण, जो उनके स्वभाव के अनुसार नहीं है। जब एक दुष्ट व्यक्ति कोई समस्या पैदा नहीं करता, तब तुम उसकी तारीफ करते हो। या कोई व्यक्ति जिसे भला नहीं समझते, जब कुछ नेक काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो। जब कोई भला आदमी अत्यन्त असाधारण काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

मुद्दा : कतर से दोस्ती इसलिए है जरूरी

गिरीश पांड़े

कतर के शेख तमीम बिन हमद अलझथानी की हालिया 17 से 18 फरवरी,2025 की दो दिवसीय भारत की आधिकारिक यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुलावे पर की गई थी और वह 2015 के बाद दूसरी बार भारत पहुंचे। उन्हें प्रधानमंत्री स्वयं प्रोटोकॉल तोड़ खुद एयरपोर्ट पर रिसीव करने गए थे। इससे सहज ही दोनों देशों के बीच संबंधों की उष्णता का पता चलता है। भारत-कतर संबंधों की अहमियत का पता इस बात से भी चलता है कि कतर की आबादी लगभग 29 लाख है, और वहां 8 लाख 35 हजार के आसपास भारतीय मौजूद है।

कहने को कतर क्षेत्रफल के लिहाज से त्रिपुरा के बराबर एक छोटा देश है, लेकिन कतर लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक है और भारत की ऊर्जा की जो भी जरूरतें रहती हैं, उसे काफी हद तक यह छोटा कतर ही पूरा कर रहा है। इसलिए ऊर्जा सहयोग भारत-कतर संबंधों का एक प्रमुख आधार बना हुआ है। इसके अलावा, वहां जो भारतीय काम करते हैं, वे हर साल भारत को तो अरबों रु पये भेजते ही हैं, साथ ही कतर की अर्थव्यवस्था में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस प्रकार कतर में यह भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है। कतर भारत पर काफी भरोसा करता है। इसलिए चीन और जापान के बाद भारत कतर का तीसरा बड़ा व्यापारिक भागीदार है। साल 2017 कोई भूला नहीं है जब मिडल ईस्ट के कई देशों ने कतर का बॉयकॉट कर दिया था, उस पर आरोप लगा था कि वो आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उसकी धरती से आईएस जैसे संगठन ऑपरेट कर रहे हैं। उस समय सऊदी अरब ने बड़े मिशन के तहत कतर के विमानों की अपने देश में एंट्री तक बैन करवा दी थी, लेकिन भारत ने उस समय समझदारी दिखाते हुए कूटनीति का परिचय दिया जहां पर सिर्फ कुछ समय के लिए कतर के साथ व्यापार को स्थगित किया गया, लेकिन जैसे ही स्थिति सामान्य हुई, फुल स्पीड में फिर ट्रेड को आगे बढ़ाया गया। ऐसे संकट के समय भारत ने कतर को बायकॉट करने के बजाय सहारा देने का काम किया था जिसे कतर भूला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अ-थानी के बीच नई दिल्ली में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान दोनों देशों ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण साझेदारी बढ़ाने का फैसला किया है। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर के द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। इससे व्यापार, निवेश और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूती मिलेगी। हाल के वर्षों में खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्तों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों में सऊदी अरब, यूएई, ओमान और कुवैत के बाद कतर पांचवां देश है, जिसके साथ भारत ने रणनीतिक साझेदारी समझौता किया है। दोनों देशों ने अगले पांच वषाङ्ग में आपसी व्यापार को वर्तमान 14.08 अरब डॉलर से बढ़ाकर 28 अरब डालर करने का लक्ष्य भी रखा है। कतर ने भारत के प्रमुख क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने में रु चि व्यक्त की है। अभी कतर भारत को एलएनजीऔर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता हैङ्क लेकिन अब रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार इससे आगे भी बढ़ाया जाएगा। इससे आने वाले समय में कतर भी संयुक्त अरब अमीरातङ्क सऊदी अरबङ्क ओमान और कुवैत की तरह भारत के करीबी व्यापारिक सहयोगियों में शामिल हो जाएगा। भारत में कतर का मौजूदा निवेश देखें तो कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने पहले ही भारत में खुदराङ्क विद्युत क्षेत्रङ्क सूचना प्रौद्योगिकीङ्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाङ्क किफायती आवास में १.५ अरब डालर का निवेश किया है॥ भविष्य में बुनियादी ढांचा और बंदरगाह जहाज निर्माणङ्क नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट सिटी फूड पार्क और स्टार्टअप्सङ्क एआईङ्क रोबोटिक्सङ्क मशीन लनिृग जैसी नई प्रौद्योगिकि निवेश के संभावित क्षेत्र कहे जा सकते हैं। कतर की कंपनियों ने देश के तकनीकीङ्क बुनियादी ढांचे और विनिर्माण उद्योगों में मह'वपूर्ण निवेश किया हैङ्क जबकि भारतीय कंपनियों ने कतर में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। निःसंदेह कतर के अमीर की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच एक गहरी और बहुआयामी साझेदारी के लिए मंच तैयार कर दिया है। रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करकेङ्क भारत और कतर महत्त्वपूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए तैयार हैं, जिससे उनके लंबे समय से चले आ रहे संबंध और मजबूत होंगे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता में योगदान मिलेगा। हम उम्मीद करेंगे कि भारत और कतर को नवाचार, प्रौद्योगिकी और स्टार्टिअप के क्षेत्र में और अधिक सहयोग बढक्षने के लिए आगे आना चाहिए जिससे हेल्थ केयर, ऊर्जा, पर्यटन एवं शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग का लाभ दोनों देशों को मिल सके।

बांग्लादेश से जुड़े मामले में अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती, कहकर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने याचिका खारिज की

नई दिल्ली । देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने लुधियाना स्थित भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष और इस्कॉन मंदिर संचालन बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेश ढांडा द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से मना कर दिया, जिसमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर लक्षित हिंसा से हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की गई थी। सीजेआई खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने सुनवाई शुरू होते ही विदेशी मामलों और पड़ोसी देश के आंतरिक घटनाक्रमों के मुद्दों में हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई खन्ना ने कहा, यह विदेश का मामला है और यह अदालत दूसरे देश के मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकती है? सुनवाई कर सीजेआई ने कहा, यह बहुत अजीब होगा अगर यह अदालत दूसरे देश के मामले में हस्तक्षेप करेगी। उन्होंने कहा, हम कैसे मामले में दखल दे दें, वह हमारा पड़ोसी देश है, उसके मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। इसके बाद पीठ की सलाह पर याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने जनहित याचिका वापस ले ली। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने हिन्दुओं की सुरक्षा की मांग के अलावा बांग्लादेश से भागकर आए हिंदुओं के लिए नागरिकता के लिए आवेदन देने की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की थी। अर्जी में भारतीय विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को बांग्लादेश में स्थित उच्चायोग के माध्यम से बांग्लादेश में निवासरत हिंदू अल्पसंख्यकों को मदद देने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। इसके अलावा पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बनाने की मांग भी की गई थी।

मौसम बदलेगा मिजाज, कई राज्यों में बरसेंगे बादल ; दिल्ली-यूपी का क्या होगा हाल ?

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों में मौसम विभाग की तरफ से बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक पूरे उत्तर भारत में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। आईएमडी ने उत्तर-पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ इस अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को प्रभावित करेगा। इसके अलावा, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी 26 से 28 फरवरी के बीच हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 25 फरवरी को सुबह हल्की धुंध रह सकती है, अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री रहेगा। वहीं 26 फरवरी को हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 27 फरवरी को तेज बारिश और गरज-चमक के साथ मौसम ठंडा रहेगा और अधिकतम तापमान 25-27 डिग्री तक गिर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश और बर्फबारी होगी। वहीं हिमाचल प्रदेश में 26 से 28 फरवरी और उत्तराखंड में 27 और 28 फरवरी को भारी बर्फबारी की संभावना है। मैदानी इलाकों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 26 फरवरी से 1 मार्च तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि और आंधी-तूफान की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, बिहार, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में दिन का तापमान 1-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा है। वहीं उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में भी कुछ इलाकों में हल्की ठंड महसूस की गई है। राजस्थान, झारखंड, कोंकण और तटीय आंध्र प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

लावारिस बैग को खोलने पर हुआ धमाका, 4 लोग हुए घायल

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में सड़क किनारे पड़े लावारिस बैग को खोलने के दौरान विस्फोट हो गया। जिससे दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। वहीं, विस्फोट वाले स्थल को सीज कर दिया गया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने सबूत एकत्र कर लिए हैं और आगे की जांच जारी है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। घटना के बाद आसपास हड़कंप मच गया। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को सील कर दिया और जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बिहार के कटिहार जिले में एक बैग के अंदर रखे विस्फोटक में विस्फोट होने से दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। यह घटना बलरामपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत लाथौर गांव में हुई। पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने बताया कि कम तीव्रता वाला विस्फोट सोमवार दोपहर करीब 1 बजे लाथौर गांव में हुआ. यहां सड़क किनारे रखे एक लावारिस बैग को कुछ लोग खोलने की कोशिश कर रहे थे।

भाजपा ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में बड़ा बयान दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया है और स्त्री, संतों, धर्माचार्यों और गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि कुंभ की व्यवस्था के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकारें को दो लाख करोड़ रूपये का कार्प्स फण्ड बनाना चाहिए ताकि गरीबों को उनकी सुविधा सुनिश्चित हो सके। उनके बयान के साथ ही उन्होंने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की लड़ाई को भी उठाया और कहा कि इससे आम जनता को ठगा महसूस हो रहा है।

चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं भ्रष्ट लोगों की नियुक्ति को मंजूरी नहीं दूंगा

-महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने मंत्री कोकाटे के बयान का दिया जवाब

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने साफ कर दिया है कि वह मंत्रियों के कहने पर किसी भ्रष्ट निजी सहायकों और विशेष कार्य अधिकारी की नियुक्तियों को मंजूरी नहीं देंगे। कृषि मंत्री और अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता माणिकराव कोकाटे के बयान का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि चाहे कोई नाराज हो, लेकिन जिन अफसरों पर भ्रष्टाचार या गलत कामों के आरोप लगे हैं, उन्हें वह नियुक्त करने की मंजूरी नहीं देंगे।

बता दें माणिकराव कोकाटे ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि अब मंत्रियों के पीए और ओएसडी की नियुक्ति भी सीएम तय कर रहे हैं, जिससे उनके पास खुद के फैसले लेने की गुंजाइश नहीं है। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इसके जवाब में सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य में मंत्रियों के पीए और विशेष कार्य अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार सीएम के पास होता है। कोकाटे साहब को शायद यह जानकारी नहीं है कि यह कोई नई परंपरा नहीं है। कैबिनेट बैठक में साफ कर दिया गया था कि मंत्री अपने सुझाव भेज सकते हैं, लेकिन अगर उन पर गलत कामों का ठप्पा लगा है, तो वह मंजूरी नहीं देंगे।

सीएम फडणवीस ने बताया कि मंत्रियों की ओर से कुल 125 नाम भेजे गए थे, जिनमें से 109 को हरी झंडी दी गई है, लेकिन जिन पर संदेह था, उन्हें मंजूरी नहीं मिली। उन्होंने साफ कहा कि मैंने बाकी नामों को क्लीयर नहीं किया क्योंकि उन पर आरोप हैं और कुछ मामलों में जांच भी चल रही है। चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं ऐसे नामों को पास नहीं करूंगा।

इस बीच महाराष्ट्र विधान परिषद की उपाध्यक्ष और शिंदे गुट की शिवसेना नेता नीलम गोहे द्वारा उद्धव ठाकरे पर की गई टिप्पणी और फिर संजय राऊत के पलटवार से राजनीति गरमा गई है। इस पर फडणवीस ने कहा कि ऐसे राजनीतिक बयानों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य सम्मेलन में भी नफरत झलक रही है। वहां पीएम मोदी से लेकर उद्धव ठाकरे तक पर कटाक्ष किए गए है, लेकिन क्या ऐसे मंच का इस्तेमाल राजनीति के लिए करना सही है? उन्होंने यह भी कहा कि साहित्य मंचों पर सभी को संयम बरतना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर राजनीतिक नेता साहित्य सम्मेलनों में जाते हैं, तो उन्हें अपनी राजनीतिक बयानबाजी पर भी रोक लगानी चाहिए।

योगी को महाकुंभ के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए : ममता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजा तत्काल जारी करे। बनर्जी ने इस दावे पर भी सवाल उठाया कि इस वर्ष महाकुंभ मेला 144 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहा है तथा उन्होंने विशेषज्ञों से इस दावे की सत्यता की जांच करने का आग्रह किया। बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि चूंकि उन्होंने कुंभ मेले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है, इसलिए उन्हें तत्काल यह राशि जारी करनी चाहिए।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

सीएम स्टालिन की चिंता, जनसंख्या नियंत्रण होने से संसद की सीटें घट सकती

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तमिलनाडु राज्य में जनसंख्या नियंत्रण के सफल उपायों के बाद संसद में सांसदों की संख्या में कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। इस मुद्दे पर सीएम स्टालिन ने कहा, 'भारत का बड़ा लक्ष्य अपनी जनसंख्या को नियंत्रित करना था। तमिलनाडु ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। लेकिन अब हम एक ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां कम जनसंख्या के कारण तमिलनाडु में संसद की सीटें घट सकती हैं।'

स्टालिन ने जोर देकर कहा कि अगर जनसंख्या में कमी का यह सिलसिला जारी रहा, तब तमिलनाडु की संसद में प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। वर्तमान में राज्य के 39 सांसद हैं, जो भविष्य में घटकर 31 तक रह सकते हैं।

इस बीच, बीजेपी नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधा। हाल ही में तमिलनाडु के पोल्लाची रेलवे स्टेशन पर नामपट्टियों पर हिंदी अक्षरों को कथित तौर पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) कार्यकर्ताओं द्वारा काले रंग से मिटाने की घटना के बाद उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी अब भाषा की राजनीति से फायदा नहीं उठा सकती।

सीएम स्टालिन को दी खुली चुनौती

तमिलिसाई ने कहा, मैं डीएमके कार्यकर्ताओं के रवैये की निंदा करती हूं, जिन्होंने हिंदी शब्दों को काले टार से मिटा दिया। यह सार्वजनिक संपत्ति है। उत्तर भारत से लोग भी इस राज्य में आते हैं। रेलवे सभी राज्यों को जोड़ता है। आपको हिंदी शब्दों को मिटाने का क्या अधिकार है? मैं स्टालिन को खुली चुनौती देती हूं कि वे बताएं कि उनके और उनके मंत्रियों के परिवारों के कितने बच्चे सिर्फ दो भाषाएं सीख रहे हैं। और आपके सभी मंत्री, जिनमें आपके परिवार के लोग भी शामिल हैं, सीबीएसई स्कूल क्यों चला रहे हैं?'

दिल्ली में नई बीजेपी सरकार जल्द लॉन्च करेगी महिला समृद्धि योजना

-महिला समृद्धि योजना में किन महिलाओं को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई सरकार के गठन के बाद दिल्ली में महिला समृद्धि योजना की स्कीम जल्द लॉन्च हो सकती है। दिल्ली में बीजेपी सरकार इसके लिए तैयारियों में जुट गई है। इसको लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को लेकर बैठक की और योजना को लागू करने के लिए नियम एवं शर्तें तय करने को कहा। पीएम मोदी ने चुनाव के दौरान ऐलान किया था कि 8 मार्च को महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं को इसकी पहली किस्त दी जाएगी। अब दिल्ली की सीएम रेखा ने इस बात को दोहराया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में वादा किया था कि इस योजना के तहत के गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। योजना को लेकर अभी नियम और शर्तें तय होना बाकी है। इससे पता चलेगा कि इस योजना का लाभ किसे मिलेगा और किसे नहीं।

फिलहाल यह साफ हो गया है कि जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति अच्छी है। उन्हें इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए है। यदि आप दिल्ली की मतदाता हैं और परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं है तो योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने से पहले कुछ जरूरी काम कर लें। इस योजना के तहत पैसे सीधे बैंक खाते में भेजे जाएंगे। इसलिए बैंक खाता आपके नाम होना जरूरी है।

यह भी तय किया गया है कि बैंक खाते के साथ आपका अपना पर्सनल मोबाइल नंबर जुड़ा हो। कई बार पुराना मोबाइल नंबर जुड़ा रहता है, यदि आपके साथ भी ऐसा है तो बैंक जाकर अपना नंबर अपडेट करा सकती हैं। अगर आपने बैंक खाते में लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं किया है कि तो यह तय कर ले कि आपका अकाउंट चालू या नहीं। ब्रान्च में जाकर केवाईसी भी करा सकती हैं। अगर आपके आधार के साथ मोबाइल नंबर लिंक नहीं है या फिर अपडेट नहीं है तो ऐसा जरूर कर लें।

दिल्ली सरकार की यह योजना गरीब महिलाओं के लिए है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि इसके लिए आय की सीमा क्या होगी।

मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों की बीजेपी सरकारों ने यह सीमा 2.5 लाख रुपए सालाना रखी है। दिल्ली में अभी इसका ऐलान नहीं हुआ है। ऐसे में आपके परिवार की आमदनी कम है तो आय प्रमाणपत्र बनवाकर रख लें।

अब भारत और बांग्लादेश के बीच शुरु हुई नौंक झौंक, ये रही मूल वजह

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। अब भारत और बांग्लादेश के बीच तीखी नौंक झौंक भी शुरु हो गई है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान पर बांग्लादेश ने भी जवाब दिया है। बांग्लादेश ने कहा है कि हमारे मुल्क के अल्पसंख्यकों की चिंता भारत को नहीं होनी चाहिए। साथ ही बांग्लादेश ने भी भारत को संबंधों पर अपना रुख साफ करने के लिए कहा है। जयशंकर ने कहा था कि बांग्लादेश को साफ करना चाहिए कि वह भारत के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहता है। अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा, जयशंकर ने एक बार फिर अल्पसंख्यकों के बारे में बात की है। हालांकि, अल्पसंख्यकों का मुद्दा मुख्य रूप से भारतीय मीडिया की तरफ से तोड़ मरोड़ की गई जानकारी से उठा है। सबसे जरूरी बात यह कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों का मुद्दा भारत की चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक बांग्लादेश का मुद्दा है। वैसे ही जैसे भारत अपने अल्पसंख्यकों के साथ कैसा बर्ताव करता है, यह भारत की चिंता है। तौहीद ने बयानों को लेकर कहा, जब यहां कि लोगऐसे टिप्पणियां कर रहे हैं, तो वहां भी लोग हैं जो ऐसा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके एक मुख्यमंत्री ने तो यह तक सलाह दे दी थी कि अगर संभव हो तो संयुक्त राष्ट्र की पीस कीपिंग फोर्स को बांग्लादेश भेजा जाना चाहिए। उनके एक केंद्रीय मंत्री लगातार बांग्लादेश विरोधी बयान देते रहते हैं। यह ठीक है। हमारा मानना है कि ऐसी चीजें चलती रहेंगी, लेकिन फिर भी हम अच्छे रिश्ते चाहते हैं। उन्होंने कहा, इस बात पर फोकस करना कि यहां और वहां कुछ लोग क्या कह रहे हैं, इससे बेहतर है कि हम हमारा रिश्ता मजबूत करने की ओर काम करें।

महाकुंभ में कुछ लोगों ने नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया

-सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सीएम योगी पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बैगर कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का ख्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। अखिलेश ने सोमवार रात अपने आधिकारिक एक्?स पर पोस्ट में कहा...लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया-पाया के रजिस्टर में।

पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। सपा प्रमुख ने कहा कि 'महाकुंभ' जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुंची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की।ज्?सन्मति दे भगवान! सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्?यवाद प्रस्?ताव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली, आस्था वालों को पुण्य मिला, गरीबों को रोजगार मिला, अमीरों को धंधा मिला, श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली, भक्तों को भगवान मिले। मतलब सबने अपने-अपने स्वभाव और चरित्र के अनुसार चीजों को देखा है। सीएम ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि जिन लोगों ने अपने समय में इस पूरे आयोजन को अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का शिकार बनाया था, आज वह महाकुंभ पर इस प्रकार की टिप्पणी करके भारत की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सुबह-सुबह 5.1 की तीव्रता वाला आया भूकंप, डोलने लगी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में आए दिन भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। अभी दिल्ली में तेज आवाज के साथ आए भूकंप की दहशत कम भी नहीं हुई थी कि मंगलवार सुबह 6:10 बजे कोलकाता में 5.1 की तीव्रता वाले भूकंप ने झटके दे दिए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, इसका केंद्र बंगाल की खाड़ी में था। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। एनसीएस ने बताया कि भूकंप आज सुबह 6:10 बजे 91 किलोमीटर की गहराई पर आया। अभी तक किसी तरह के जान और माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। वहीं मंगलवार सुबह ओडिशा के कई शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में स्थित था और इसका असर पुरी, बरहामपुर, बालासोर और भुवनेश्वर समेत कई इलाकों में देखा गया। नेशनल सेंटर फॉर सिसमोलॉजी के अनुसार, भूकंप पुरी से लगभग 286 किमी और बरहामपुर से 394 किमी दूर था। हालाँकि, इसकी गहराई अधिक होने के कारण बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं आई है।

इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 17 फरवरी की सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र धौला कुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किलोमीटर की गहराई में था और वहां कुछ लोगों को भूकंप के बाद तेज आवाजें सुनीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ओपी मिश्रा ने कहा कि धौला कुआं क्षेत्र में 2007 में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, इसका प्रभाव उतना तीव्र नहीं था क्योंकि केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। दिल्ली को भूकंपीय क्षेत्र-4 में रखा गया है, जो देश में दूसरा सबसे खतरे वाला क्षेत्र है। उत्तर भारत में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सबसे अधिक भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। भूकंप संभावित दूरस्थ और निकटस्थ स्थानों में भूकंप आने पर भी दिल्ली में झटके महसूस किए जाते हैं।

रविवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता 3.7 थी। इसका केंद्र मंडी क्षेत्र में 31.48 डिग्री अक्षांश और 76.95 डिग्री देशांतर पर था। सुंदरनगर क्षेत्र में किआर्गी के पास भूकंप 7 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। मंडी जिला भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है, जो कि उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

2024 में 54 देशों ने 296 बार इंटरनेट किया बंद, भारत में 84 बार हुआ

-पाकिस्तान में 21, रूस में 13, यूक्रेन में 7 और बांग्लादेश में 5 बार शटडाउन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहली बार ऐसा हुआ है कि दुनिया में इंटरनेट बंद करने के मामले में भारत पहले नंबर पर नहीं है। हालांकि अभी दूसरा नंबर है। भारत में इंटरनेट शटडाउन में कमी आई है। मणिपुर हिंसा और पिछले साल हरियाणा के नूंह में साम्प्रदायिक हिंसा को हटा दें तो भारत में बहुत ही कम इंटरनेट बंद किया गया है। चिंता की बात यह है कि भारत अभी भी अपने पड़ोशी देशों से इस मामले में काफी पीछे है। 2018 के बाद पहली बार 2024 में भारत एक साल में इंटरनेट शटडाउन के मामले में दुनिया में आगे नहीं रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल म्यांमार में सबसे ज़्यादा 85 शटडाउन के आदेश दिए गए। भारत में पिछले साल 84 ऐसे आदेश लागू हुए थे।

बता दें दुनिया में इंटरनेट शटडाउन की कुल संख्या 2023 में 39 देशों द्वारा 283 शटडाउन से बढ़कर 2024 में 54 देशों द्वारा 296 शटडाउन हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार के ठीक पीछे भारत है। यहां 84 बार शटडाउन हुआ। भारत में संप्रदायिक संघर्ष, विरोध और अस्थिरता, सांप्रदायिक हिंसा, परीक्षाओं और चुनावों में नकल रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद की गईं। 41 इंटरनेट शटडाउन विरोध प्रदर्शनों से संबंधित थे। 23 सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित थे। 2024 में 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इंटरनेट शटडाउन से प्रभावित थे, जिनमें मणिपुर (21), जम्मू-कश्मीर (12) और हरियाणा (12) सबसे आगे थे। रिपोर्ट में बताया है कि मणिपुर में जातीय तनाव एक प्रमुख कारण था।

भारत के बाद पाकिस्तान में 21 बार इंटरनेट बंद हुआ। रूस में 13 बार, यूक्रेन में 7 बार, फिलिस्तीन में 6 बार और बांग्लादेश में 5 बार। पाकिस्तान ने 8 फरवरी को चुनाव के दिन, देशभर में एक्स सिग्नल और ब्लूस्काई को ब्लॉक किया गया था और मोबाइल बंद कर दिया था। 8 देशों ने सीमा पार शटडाउन लगाया, जिससे 13 देश प्रभावित हुए। यूक्रेन में रूस द्वारा शटडाउन के 7 मामले दर्ज किए थे। ये यूक्रेन के इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर साइबर हमले और यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कम से कम छह बार मिसाइल हमलों के कारण इंटरनेट बाधित हुआ था।

मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिशड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

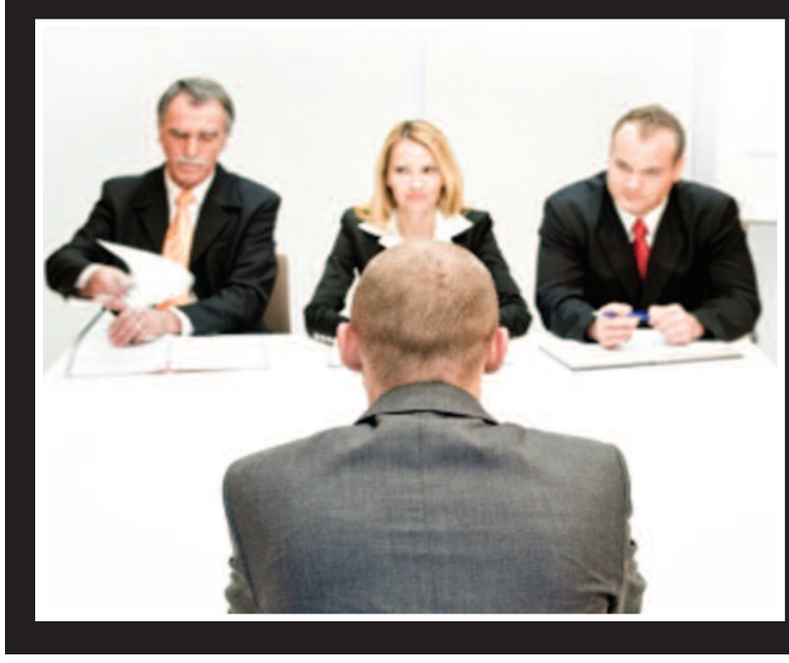

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

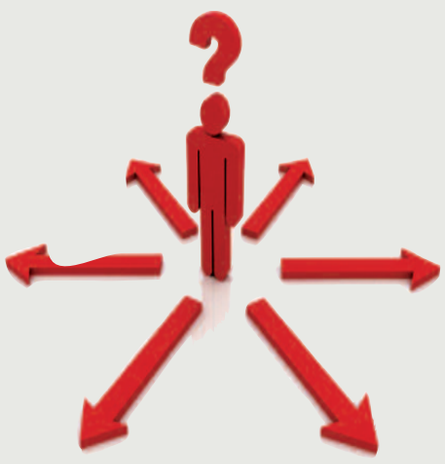

पुनःप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझों।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

चैंपियन्स ट्रॉफी : पाकिस्तान के जल्दी बाहर होने से पीसीबी नाराज, हो सकती है बड़ी कार्रवाई

दुबई (एजेंसी)। कराची – चैंपियन्स ट्रॉफी से राष्ट्रीय टीम के जल्दी बाहर होने से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में काफी निराशा और नाराजगी है लेकिन उसने 9 मार्च को टूर्नामेंट के अंत तक टीम के मामलों पर चुप रहने का फैसला किया है। पीसीबी के एक करीबी सूत्र ने कहा कि अधिकारी टूर्नामेंट में टीम के प्रदर्शन से आहत हैं, विशेषकर पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ।

सूत्र ने कहा, 'लेकिन बड़े परिदृश्य को देखते हुए जो चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी है और यह सुनिश्चित करना है कि यह मेजबान देश के रूप में पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सकारात्मक प्रचार लाए, टीम के प्रदर्शन पर अभी कुछ भी नहीं कहने का फैसला किया गया है।'

सूत्र ने कहा कि आंतरिक रूप से टीम, चयन या भविष्य की योजनाओं पर चर्चा नहीं करने पर सहमति बनी है क्योंकि यह केवल टूर्नामेंट से ध्यान भटकाएगा और पाकिस्तान क्रिकेट के लिए 'नकारात्मक सुर्खियां' लाएगा। सत्र ने कहा, 'बोर्ड नेतृत्व को भी अहसास है कि प्रतियोगिता में टीम में लचर प्रदर्शन के लिए कोई बहाना या बचाव नहीं दिया जा सकता है।'

सूत्र ने बताया कि पीसीबी चैंपियन्स ट्रॉफी की सफल मेजबानी को पाकिस्तान में और अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को लाने के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है, भले ही टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए उसे कई बाधाओं का सामना करना पड़ा हो। हालांकि सूत्र ने स्वीकार किया कि टूर्नामेंट खत्म होने के बाद इसकी पूरी समीक्षा की जाएगी कि कैसे और कहां चीजें गलत हुईं।

सूत्र ने कहा, 'पाकिस्तान को 15 मार्च से न्यूजीलैंड में सफेद गेंद की श्रृंखला खेलनी है और अंतरिम मुख्य कोच के रूप में आकिब जावेद का अनुबंध 27 फरवरी को समाप्त हो जाएगा जब पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मैच खेलेगा।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए निश्चित रूप से बोर्ड को न्यूजीलैंड दौरे के लिए मुख्य कोच चुनना होगा लेकिन यह नियुक्ति अंतरिम प्रकृति की भी हो सकती है। राष्ट्रीय हाई परफोर्मेंस केंद्र से कोई व्यक्ति हो सकता है क्योंकि पीसीबी ने स्थायी मुख्य कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं की है।' सूत्र ने कहा कि पीसीबी इस साल अगस्त से अगले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत से पहले नए मुख्य कोच की नियुक्ति करेगा।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने भारत-पाकिस्तान पर दी प्रतिक्रिया, बोले- अब एकतरफा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा एक बहुप्रतीक्षित घटना होती है, लेकिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि मुकाबला 'एकतरफा' हो गया है और क्रिकेट प्रचार के अनुरूप नहीं है। एथरटन ने कहा, 'ठीक है, यह पूरी तरह से एकतरफा था। यह बहुत दूर से ही बहुत अनुमानित लग रहा था। पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन-अप कमजोर थी, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में था। बल्लेबाजी में बस थोड़ी ऊर्जा और गतिशीलता की कमी थी।'

भारत और पाकिस्तान केवल ICC आयोजनों में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं और उनके मुकाबलों को अक्सर ब्लॉकबस्टर मुकाबलों के रूप में बनाया जाता है। एथरटन ने कहा, 'उस मुकाबले के लिए थोड़ी समस्या है, है न? क्योंकि यह सभी तरह के कारणों से एक बहुप्रतीक्षित मुकाबला है। आंशिक रूप से, आप जानते हैं, सिर्फ कमी के कारण। वे स्पष्ट कारणों से केवल तटस्थ क्षेत्र में ICC आयोजनों में एक-दूसरे से खेलते हैं।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन उस मैच को लेकर काफी प्रचार है। आप चाहते हैं कि क्रिकेट भी उस प्रचार के अनुरूप हो। अगर आप पिछले 10 सालों के नतीजों को देखें, तो मुझे लगता है कि पिछले 10 सालों में वे एक-दूसरे से 9 बार खेल चुके हैं। पाकिस्तान ने सिर्फ एक बार जीत हासिल की है, और वह ओवल में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में थी। इसलिए अभी यह एकतरफा मुकाबला है।'

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की सुरक्षा पर उठे सवाल

–बांग्लादेश और न्यूजीलैंड मैच के दौरान मैदान में पहुंचा संदिग्ध आतंकी

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान में खेली जा रही आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का मामला सामने आया है। यहां सोमवार को हुए बांग्लादेश और न्यूजीलैंड मैच में एक संदिध व्यक्ति कीवी खिलाड़ी रचिन रविन्द्र तक पहुंच गया। इससे पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के कड़ी सुरक्षा रखने के दावे की पोल खुल गयी है। पीसीबी की परेशानी इसलिए भी बढ़ गयी है क्योंकि स्टेडियम में जो व्यक्ति पहुंचा था। वह प्रतिबंधित पार्टी तहरीक ए लब्बैक का समर्थक निकला। इस घटना के बाद पीसीबी ने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को और बढ़ाया जाएगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी को निशाना बनाने की धमकी पहले ही आतंकियों ने दी है। अब जबकि पाक टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। ऐसे में आतंकी किसी हमले को भी अंजाम दे सकते हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी में अभी लगभग 10 मैच होने हैं। आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के प्रमुख अब्दुल कादिर मुमीम के भी अभी पाक में होने की बात सामने आयी है। हससे भी सुरक्षा बलों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आईएसआईएस प्रमुख कादिर ने अपनी यात्रा में बलूचिस्तान में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासन प्रोविंस के आतंकवादियों से भी मुलाकात पर अभी तक सुरक्षाबल उसे पकड़ नहीं पाये हैं।

बांग्लादेश सहित कई अन्य देशों की टीमें आजकल पाक में हैं। अभी तीन मैच रावलपिंडी में, तीन मैच लाहौर में और दो मैच कराची में खेले जाने हैं। ये भी खुलासा हुआ है कि चैम्पियंस ट्रॉफी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के निशाने पर हो सकती है। इसके बाद से ही सेना ने स्टेडियम के आसपास सुरक्षा घेरा और कड़ा कर दिया है।पाक में साल 2009 में श्रीलंकाई टीम की बस पर आतंकी हमला हुआ था। उस कारण खिलाड़ियों में डर का माहौल है।

भारत और न्यूजीलैंड चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचे, पाकिस्तान और बांग्लादेश बाहर हुए

–ग्रुप बी में अभी तय नहीं हुए नाम

रावलपिंडी (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कीवी टीम की जीत के साथ ही पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं अपने दोनो मैच जीतने वाली भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों ने अब तक अपने ग्रुप में 2-2 मैच खेले और दोनों में जीत दर्ज की है। वहीं दूसरी और पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमों अपने दोनो ही मैच हारी हैं। इस प्रकार अंक तालिका के आधार पर ये दोनो ही टीमें बाहर हो गयी हैं। वहीं भारत और न्यजीलैंड ने पहले ओर दूसरे नंबर पर रहते हुए अंतिम चार में जगह बनायी है।

भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया था. इसके बाद पाकिस्तान को भी 6 विकेट से हराया। कीवी टीम ने अपने पहले ही मैच में पाक को 60 रनों से हराया था। अब ग्रुप-ए में 2 मैच और खेले जाएंगे पर इन दोनो के परिणामों से कोई अंतर नहीं पड़ेगा। ग्रुप का अगला मैच पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 27 फरवरी को रावलपिंडी में जबकि ग्रुप का अंतिम मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मार्च को दुबई में होगा।

वहीं न्यूजीलैंड-बांग्लादेश मैच की बात करें तो इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेशी टीम ने कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के 77 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 236 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने रचिन रवींद्र के 112 रनों की सहायता से आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में रचिन और टॉम लेथम के बीच 129 रनों की साझेदारी हुई।

ग्रुप बी दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने एक एक मैच जीते हैं। इस प्रकार दोनों टीमें अंक तालिका में पहले और दूसरे नंबर पर हैं। वहीं इंग्लैंड और अफगानिस्तान की टीमों शुरुआती मैचों में हारी है। ऐसे में अभी सेमीफाइनल के पक्के तौर पर कुछ तय नहीं हुआ है हालांकि अब तक दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल की दौड़ में सबसे आगे हैं।

अगर कप्तानी का मौका मिला तो केकेआर की अगुआई करने के लिए तैयार: वेंकटेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का कहना है कि अगर उन्हें आईपीएल 2025 में मौका मिला तो वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश को हालांकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है। गत चैंपियन केकेआर ने अभी तक अपने कप्तान की घोषणा नहीं की है। टीम इस सत्र के शुरुआती मैच में ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से भिड़ेगी।

केकेआर ने पिछले सत्र मे श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था लेकिन उन्हें बड़ी नीलामी में पंजाब किंग्स ने खरीद लिया और बाद में अपना कप्तान बना दिया। वेंकटेश ने कहा, 'निश्चित रूप से, मैं तैयार हूं। मैंने हमेशा यह कहा है कि कप्तानी सिर्फ एक ठप्पा है। मैं नेतृत्व में विश्वास करता हूं। एक नेतृत्वकर्ता होने के नाते यह एक बड़ी भूमिका है। इस बारे में कोई अस्पष्टता नहीं है। अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं निश्चित रूप से इसे करूंगा। ऐसा नहीं करने का कोई कारण नहीं है।'

वेंकटेश ने कहा कि कप्तान को अच्छा आदर्श बनकर उदाहरण स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'आपको अपने ड्रेसिंग रूम में नेतृत्वकर्ता बनने के लिए कप्तान के ठप्पे की आवश्यकता नहीं है। आपको उदाहरण स्थापित करने की आवश्यकता है। आपको मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह एक अच्छा आदर्श बनने की जरूरत है जो मैं अभी मध्य प्रदेश में कर रहा हूं।' वेंकटेश ने कहा, 'मैं मध्य प्रदेश टीम का कप्तान नहीं हूं लेकिन मेरी राय का सम्मान किया जाता है और मुझे ऐसे माहौल में रहना पसंद है जहां हर व्यक्ति - नया या अनुभवी, 20 लाख रुपये, 20 करोड़ रुपये, जो भी हो - आपको बस अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। आपको बस राय देने और सुझाव देने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और उन्हें सही भावना से लिया जाना चाहिए।' वर्ष 2021 में केकेआर में शामिल हुए वेंकटेश को पिछले साल की नीलामी से पहले टीम ने छोड़ दिया था लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ नीलामी में कड़ी टक्कर के बाद 23.75 करोड़ रुपये में वापस खरीद लिया गया। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 51 आईपीएल मैच में 1,326 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने सभी आईपीएल मैच नाइट राइडर्स के लिए खेले हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : ब्रायडन कार्स चोट के कारण बाहर, इंग्लैंड टीम में इस खिलाड़ी की एंट्री

दुबई : आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की इवेंट तकनीकी समिति ने ब्रायडन कार्स के प्रतिस्थापन के रूप में रेहान अहमद के नाम की इंग्लैंड को मंजूरी दे दी है। पैर की अंगुली में चोट के कारण कार्से के बाहर होने के बाद छह एक दिवसीय मैच खेलने वाले अहमद को प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया था। किसी खिलाड़ी के प्रतिस्थापन के लिए खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल करने से पहले इवेंट तकनीकी समिति की मंजूरी की आवश्यकता होती है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की इवेंट तकनीकी समिति में वसीम खान (आईसीसी महाप्रबंधक – क्रिकेट), सारा एडगर (आईसीसी वरिष्ठ प्रबंधक – इवेंट्स), उस्मान वाहला (पीसीबी निदेशक – अंतररष्ट्रीय क्रिकेट संचालन), शॉन पोलक (स्वतंत्र प्रतिनिधि) शामिल हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद इंग्लैंड इस समय ग्रुप बी में मुश्किल स्थिति में है।

इंग्लैंड टीम – जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड, रेहान अहमद।

एकदिवसीय प्रारुप में विराट सबसे बेहतर खिलाड़ी : पोंटिंग

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। पोटिंग ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में विराट से अच्छा बल्लेबाज नहीं देखा है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में दबाव के क्षणों में विराट ने ही शतक लगाकर भारतीय पारी को संभाला था। विराट की विपरीत हालातें में खेली इस पारी को देखकर पोंटिंग को कहना पड़ा है कि एकदिवसीय प्रारुप में विराट से बेहतर कोई भी खिलाड़ी नहीं है।

पोंटिंग ने अहम अवसरों पर आगे आकर खेलने की कोहली की क्षमता और इस दौरान रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता को सर्वश्रेष्ठ बताया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि बड़े मैच बड़े नामों के बराबर होते हैं। आपको उन बड़े अवसरों पर अपने बड़े नामों को खड़ा करने की जरूरत होती है और भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बड़ा कोई मैच नहीं हो सकता। आपकी प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में आपके प्रदर्शन से बनती है। इसलिए मेरे लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ऐसा हुआ है। विराट को लेकर उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने मुश्किल विकेट पर पहले बल्लेबाजी की थी। इस तरह की मैच में जीतने वाली पारी खेलने के लिए शीर्ष क्रम में किसी की जरूरत थी और एक बार फिर कोहली ने इस काम को पूरा किया।

वह बोले, , दोनो टीमों का स्कोर देखें तो एक में विराट ने शतक बनाया और दूसरे में कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने शुरुआत हासिल की पर बड़ा स्कोर नहीं बनाया। मैंने हमेशा कहा है कि खेल के किसी भी प्रारूप में अर्धशतक से आप या आपकी टीम को कुछ नहीं मिलता। आपको बड़े स्कोर बनाने होते हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए व्यक्तिगत बड़े स्कोर भी नहीं थे और ना ही बड़ी साझेदारियां थीं।

रणजी फाइनल : फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण विदर्भ का केरल पर पलड़ा भारी

नागपुर (एजेंसी)। अपने प्रमुख खिलाड़ियों की शानदार फार्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण पूर्व चैंपियन विदर्भ की टीम केरल के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। अक्षय वाडकर की अगुवाई वाली विदर्भ की टीम ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अब तक अपने नौ मैचों में से आठ में जीत हासिल की है और एक ड्रा खेला है।

विदर्भ ने ग्रुप चरण में सात मैचों में छह मैच में जीत हासिल की। इसके बाद उसने क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु को 198 रन से और सेमीफाइनल में गत चैंपियन मुंबई को 80 रन के बड़े अंतर से हराया। विदर्भ 2017-18 और 2018-19 में रणजी चैंपियन बना था जबकि केरल की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है। विदर्भ की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। वह पिछले साल फाइनल में मुंबई से हार गई थी जिसकी भरपाई वह इस साल करना चाहेगी।

विदर्भ की टीम ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। वह इस साल विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में भी पहुंची थी। विदर्भ के बल्लेबाजों ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसकी तरफ से यश राठौड़ ने 58.13 की औसत से 933 रन बनाए हैं जिसने पांच शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कप्तान वाडकर ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। उन्होंने 48.14 की औसत से 674 रन बनाए हैं।

अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर भी उनसे अधिक पीछे नहीं हैं। उन्होंने 45.85 की औसत से 642 रन बनाए हैं। उनके अलावा दानिश मालेवार ने 557 और ध्रुव शोरे ने 446 रन बनाकर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। गेंदबाजी में विदर्भ के लिए 22 वर्षीय हर्ष दुबे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अभी तक 66 विकेट लिए हैं और एक रणजी सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने के रिकॉर्ड से केवल दो विकेट दूर हैं।

रिकॉर्ड बिहार के आशुतोष अमन के नाम पर है जिन्होंने 2018-19 के सत्र में 68 विकेट लिए थे। दूसरी तरफ सचिन बेबी की अगुवाई वाली केरल की टीम अगर पहली बार फाइनल में पहुंची है तो इसमें किस्मत का भी बड़ा हाथ रहा। क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर को उसने केवल एक रन से हराया जबकि सेमीफाइनल में गुजरात के खिलाफ पहली पारी में दो रन की मामूली बढ़त के आधार पर वह फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा।

सलमान निजार और मोहम्मद अजहरुद्दीन केरल की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ हैं। निजार ने वर्तमान सत्र में अभी तक 86.71 की औसत से 607 रन जबकि अजहरुद्दीन ने 75.12 की औसत से 601 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में जलज सक्सेना केरल के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने अभी तक 38 विकेट लिए हैं। विदर्भ के पूर्व खिलाड़ी आदित्य सरवटे ने 30 विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया है।

टीम इस प्रकार हैं

विदर्भ : अक्षय वाडकर (कप्तान और विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अमन मोखड़े, यश राठौड़, हर्ष दुबे, अक्षय कर्णेवार, यश कदम, अक्षय वखारे, आदित्य ठाकरे, दर्शन नालकंडे, नचिकेत भूते, सिद्धेश वाथ (विकेटकीपर), यश ठाकुर, दानिश मालेवार, पार्थ रेखाडे, करुण नायर, ध्रुव शौरे।

केरल : सचिन बेबी (कप्तान), रोहन कुन्नूमल, सलमान निज़ार, मोहम्मद अज़हरुद्दीन (विकेटकीपर), अक्षय चंद्रन, जलज सक्सेना, शॉन रोजर, आदित्य सरवटे, बासिल थम्पी, एमडी निधिश, नेदुमंकुझी बासिल, श्रीहरि एस नायर, शराफुद्दीन एनएम, आनंद कृष्णन, वरुण नयनार, ईडन एप्पल टॉम, अहमद इमरान।

चेन्नई सुपर किंग्स ने श्रीधरन को बनाया सहायक कोच

मुम्बई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम को शामिल किया है। श्रीराम पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, और उन्होंने भारतीय टीम के लिए 2000 से 2004 के बीच आठ वनडे मैच खेले थे। हालांकि उन्हें भारतीय टीम में ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रभाव था और वे एक शानदार ऑलराउंडर रहे हैं। श्रीराम की नियुक्ति सीएसके के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गेंदबाजी समझ और अनुभव सीएसके के बॉलर को और भी बेहतर बना सकता है। सीएसके पास महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना जैसे अहम खिलाड़ी हैं। सीएसके के प्रशंसकों में इस बार काफी उत्साह है सीएसके ने इस बार के मेगा नीमी में कई बड़े खिलाड़ी खरीदे हैं, जिनमें दिग्गज स्पिन गेंदबाज आर अश्विन का नाम प्रमुख है। अश्विन के होने से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। टीम के पास नए खिलाड़ी जैसे नूर अहमद, खलील अहमद, और राहुल त्रिपाठी भी हैं जिससे उसे काफी उम्मीदें हैं। सीएसके की टीम में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं जिससे वह अलग-अलग परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। सीएसके के प्रशंसकों के लिए यह सत्र खास होने वाला है, क्योंकि टीम ने इस बार अपनी रणनीति को और भी मजबूत किया है। टीम का लक्ष्य 2025 आईपीएल में एक और खिताब जीतना है।

टीम इस प्रकार है - रुतुराज गायकवाड़, पथिराना , शिवम दुबे , नूर अहमद, रविन्द्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, खलील अहमद, रचिन रवींद्र, एमएस धोनी,राहुल त्रिपाठी,अंशुल कंबोज,सैम करन।

धवन बोले घरेलू क्रिकेट के साथ पर्याप्त आराम की भी जरुरत

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट खेलना जरुरी है पर इसके साथ ही खिलाड़ी को आराम भी दिया जाना चाहिये। ऐसे में इसपर अमल करते समय संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिये जिससे कि खिलाड़ियों पर अनावश्यक बोझ न पड़े। हाल में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया था। धवन ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट को अनिवार्य बनाने के फैसले का तो समर्थन किया पर कहा कि इसमें देखा जाना चाहिये कि खिलाड़ियों को थकान नहीं हो। धवन भारत और पाकिस्तान मैच देखने भी यहां पहुंचे थे। धवन मैच देखने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में भी गए थे। धवन ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि मौजूदा खिलाड़ी घरेलू मैच भी खेला रहे हैं जैसे की हाल में विराट ने दिल्ली की ओर से रणजी मैच खेला था। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद सभी खिलाड़ियों को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलने को कहा। इसक बाद रोहित शर्मा, विराअ कोहली जैसे खिलाड़ी रणजी मैच खेलते दिखे।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने की टीम में बदलाव की मांग , शोएब ने बाबर को धोखेबाज बताया

–हफीज बोले, शाहीन , हारिस और नसीम को बाहर करें

लाहौर। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के खिलाफ पाकिस्तान को मिली करारी हार के बाद ही पूर्व क्रिकेटर बेहद गुस्से में हैं। जावेद मियांदाद से लेकर शोएब अख्तर जैसे दिग्गजों ने कहा है कि टीम में बदलाव किया जाये। इन दिग्गजों का कहना है कि पाकिस्तान की टीम भारत के खिलाफ एक बार भी दबाव नहीं बना पायी। पूर्व क्रिकेटरों ने बाबर आजम की सबसे अधिक आलोचना की है। इनका कहना है कि बाबर धोखेबाज है। वह कभी भी भारतीय टीम के खिलाफ रन नहीं बनाता। वहीं पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने अभी तक टीम की हार को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। पूर्व खिलाड़ियों ने टीम की रणनीति और योजनाओं की आलोचना की है। अकरम ने साल 2026 टी20 विश्व कप से पहले सफेद गेंद की टीम में बदलाव की मांग की है। शोएब अख्तर ने तो बाबर आजम को धोखेबाज करार दिया है। वहीं पूर्व कप्तान और कोच रहे मुहम्मद हफीज ने तीनों तेज गेंदबाजों शाहीन अफरीदी, हारिस राउफ और नसीम शाह को टीम से बाहर करने को कहा है। अकरम ने ऑफ स्पिनर अबरार अहमद के शुभमन गिल को आउट करने के बाद बाहर जाने का इशारा करने को भी गलत बताया।

धोनी जैसा कोई व्यक्ति भी इस पाकिस्तानी टीम की मदद नहीं कर सकता: सना मीर

कराची (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी महिला कप्तान सना मीर ने चैंपियंस ट्रॉफी से जल्दी बाहर होने के लिए पुरुष क्रिकेट टीम की आलोचना करने वालों में शामिल होते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा भी कोई खिलाड़ी इस मुश्किल दौर से गुजर रही टीम की किस्मत नहीं बदल सकता। न्यूजीलैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से शर्मनाक हार के बाद मेजबान पाकिस्तान आठ टीमों की मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया।

'गेम ऑन है' कार्यक्रम में मीर ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी टीम में चुने गए 15 खिलाड़ी, भले ही आप एमएस धोनी या (पूर्व पाकिस्तानी कप्तान) यूनिस खान को कप्तान बना दें कोई भी टीम के साथ कुछ नहीं कर सकता क्योंकि यह टीम खेल की परिस्थितियों के आधार पर नहीं चुनी गई है।'

मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तानी टीम को दुबई में भारत से छह विकेट से मिली हार के लिए पाकिस्तान में प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ा। 39 वर्षीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बनी इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं मैच देख रही थी, तभी मुझे एक दोस्त का संदेश मिला कि भारत ने 2 विकेट पर 100 रन बना लिए हैं। इसलिए जब टीम की घोषणा की गई, तो मैंने कहा कि मैच खत्म हो गया है।'

मीर ने कहा कि पाकिस्तान ने परिस्थितियों के आधार पर टीम का चयन नहीं किया है। उन्होंने, 'जब हमने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी, तब हम आधा टूर्नामेंट हार चुके थे, और मैं यह पहले दिन से ही कह रहा हूं। वे (चयनकर्ता) जानते थे कि पाकिस्तान को दुबई में कम से कम एक मैच खेलना है, तो आप दो अंशकालिक स्पिनर कैसे लाए। अबरार (अहमद), जो अभी भी एकदिवसीय क्रिकेट में नए हैं... पिछले 5 महीनों में 165 रन देकर दो विकेट लिए हैं। चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली दो श्रृंखलाओं में खेलने वाले प्रमुख खिलाड़ियों को हटा दिया।'

उन्होंने कहा, 'अबरार ने भारत के खिलाफ 10 ओवर में सिर्फ एक विकेट लिया, हालांकि वह पाकिस्तान के गेंदबाजों में सबसे किफायती रहे और उन्होंने 28 रन दिए। इरफान (खान) नियाजी

एक अच्छे फील्डर थे, उन्होंने अच्छी पावर-हिटिंग दिखाई (दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में)... इसलिए, जब हमने टीम की घोषणा की तो हम टूर्नामेंट हार गए।'

एडीबी के नए अध्यक्ष मसातो कांडा ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली/मनीला। मासातो कांडा ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के 11वें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाल लिया है। उन्होंने मासात्सुगु असकावा की जगह ली है। अंतरराष्ट्रीय वित्त और विकास नीति में करीब 4 दशकों के अनुभव के साथ कांडा को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान उनके निर्णायक हस्तक्षेप के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। मासातो कांडा ने अपने पूर्ववर्ती मासात्सुगु असकावा के प्रति उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने के लिए अटूट प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एडीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सौंपे गए दायित्व के तहत इस मजबूत विरासत को आगे बढ़ाने, पूरे एशिया और प्रशांत क्षेत्र में टिकाऊ, समावेशी और लचीला विकास करने का संकल्प व्यक्त किया। कांडा ने कहा, हमारे क्षेत्र के लिए इस महत्वपूर्ण क्षण में एडीबी अध्यक्ष की भूमिका निभाने पर मुझे बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, हमारे 69 सदस्यों के विश्वास और हमारे समर्पित कर्मचारियों के मजबूत समर्थन के साथ मैं सतत, समावेशी और लचीले विकास को बढ़ावा देने के लिए एडीबी के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम मिलकर विकास की चुनौतियों का सामना करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि एडीबी इस क्षेत्र के लिए पसंदीदा भागीदार बना रहे।

मजबूत लिस्टिंग के बाद गिरकर सपाट स्तर पर आए तेजस कार्गो के शेयर

नई दिल्ली। सप्लाई चेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विस देने वाली कंपनी तेजस कार्गो ने स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री की, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर टूट गए। कंपनी के शेयर 168 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 4.17 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ इसकी 175 रुपये के भाव पर एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही ये शेयर टूट कर 168 रुपये के भाव पर आ गए। तेजस कार्गो का 105.84 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 15 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.15 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.07 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 63 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए ट्रेलर खरीदने, पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

फ्लैट लिस्टिंग के बाद रॉयल आर्क के शेयरों में शुरू हुई लिवाली

नई दिल्ली। वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स, फ्लेक्स कोर्ड वायर और वेल्डिंग कंज्यूमेबल्स बनाने वाली कंपनी रॉयलआर्क इलेक्ट्रोड्स ने स्टॉक मार्केट में फीकी लिस्टिंग करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 120 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे।? आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग भी बिना किसी उतार-चढ़ाव के 120 रुपये के स्तर पर ही हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इस शेयर के भाव में तेजी आ गई। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 121.05 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। रॉयलआर्क इलेक्ट्रोड्स का 36 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 18 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.92 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,760 रुपये से लेकर 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,440 रुपये से लेकर 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

मप्र में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा अडाणी ग्रुप, अन्य उद्योगपतियों ने भी जताई सहमति

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं और देश-विदेश के उद्योगपति इसे एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में देख रहे हैं। भोपाल में सोमवार से शुरू हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 को लेकर उद्योग जगत में खासा उत्साह देखा जा रहा है। देश के प्रमुख उद्योगपतियों ने राज्य में निवेश को लेकर अपनी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। अडाणी ग्रुप ने प्रदेश में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की बात कही है। दरअसल, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में शामिल होने भोपाल आए उद्योगपति गौतम अडाणी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ वन-टू-वन चर्चा में कहा कि इस आयोजन में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहल ने देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश का विकास हो रहा है। अडानी ने घोषणा की है कि उनका समूह 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ इस विकास यात्रा में आपके साथ है।

अडाणी ने कहा कि उनका ग्रुप मध्य प्रदेश में सीमेंट, सीवेज, खनन, स्मार्ट-मीटर और थर्मल-एनर्जी के क्षेत्रों में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये का नया निवेश कर रहा है। इससे 2030 तक राज्य में एक लाख 20 हजार रोजगार सृजन होंगे। अडाणी ने बताया कि इसके साथ ही समूह एक ग्रीनफील्ड स्मार्ट-सिटी विकसित करने की योजना पर भी काम कर रही है। इसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त निवेश शामिल होगा। आशा है कि ये सभी निवेश मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर विदेशी निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिला। मुंबई स्थित स्विट्जरलैंड के वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्य दूत मार्टिन यू. माइयर ने जीआईएस में शामिल होकर कहा कि यह मेरे लिए बेहद रोमांचक है। मैं पहली बार मध्य प्रदेश आया हूं और भोपाल में यह देखना चाहता हूं कि यहां क्या संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड, आइसलैंड, लिचेंस्टाइन और नॉर्वे सहित यूरोपीय फ्री ट्रेड एसोसिएशन (EFTA) देशों ने भारत के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (TEPA) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत अगले 15 वर्षों में भारत में 100 बिलियन डॉलर का निवेश किया जाएगा। अब हमें यह सुनिश्चित करना है कि स्विस कंपनियां भारत आएं और यहां निवेश करें। इस समझौते के तहत भारत और स्विट्जरलैंड के आर्थिक संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मंडाविया और आईएलओ महानिदेशक हुंगबो ने श्रम कल्याण बढ़ाने के लिए सहयोग पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हुंगबो के साथ बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने श्रम कल्याण तथा सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने के लिए सहयोग पर चर्चा की। मंडाविया ने एक्स पोस्ट में कहा, श्रम कल्याण और सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढ़ाने के लिए सहयोग पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हुंगबो के साथ एक उपयोगी द्विपक्षीय बैठक हुई। उन्होंने इस बातचीत के दौरान विकासशील भारत 2047 और जी-20 प्राथमिकताओं के साथ कार्यबल लचीलेपन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। मंडाविया ने कहा कि वह अधिक समावेशी और टिकाऊ भविष्य को आकार देने में आईएलओ के साथ गहन जुड़ाव की आशा करते हैं।

इस दौरान विकसित भारत 2047 और जी20 प्राथमिकताओं के साथ तालमेल बिठाते हुए कार्यबल लचीलेपन के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे अधिक समावेशी और टिकाऊ भविष्य को आकार देने में आईएलओ के साथ गहन जुड़ाव की आशा करते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में आईएलओ का पहला कार्यालय 1928 में खोला गया था।

प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में मप्र को मिले 25 हजार 600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शिखर सम्मेलन टेक इन्वेस्ट मध्य प्रदेश' सत्र का आयोजन किया गया। शिखर सम्मेलन में विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कुल 25 हजार 640 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग एक लाख 83 हजार 400 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी सोनिया परिहार ने दी।

उन्होंने बताया कि आईटी और आईटीएस क्षेत्र में 5500 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ। इससे अनुमानित 93 हजार रोजगार सृजित होंगे। ईएसडीएम क्षेत्र में 14 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग 14 हजार रोजगार सृजित होंगे। डेटा सेंटर के लिये 6800 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिसमें 2900 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जीसीसी में 700 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे 40 हजार 500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। एबीजीसी-एक्सआर में 110 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिसमें 3000 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। ड्रोन सेक्टर में

180 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिखर सम्मेलन टेक इन्वेस्ट मध्य प्रदेश' में आईटी और टेक क्षेत्र के उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का भोपाल में आयोजन हुआ है और इसका लाभ सभी क्षेत्रों को मिल रहा है। उन्होंने प्रदेश की राजधानी भोपाल की बदलती पहचान का जिक्र करते हुए कहा कि अब यहां की पहचान निवेश, उद्योग और व्यापार से हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटी एक अलग प्रकार की दुनिया है और इस क्षेत्र में निवेश और विस्तार की अनंत संभावनाएं हैं। बाकी राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश ने सबसे अच्छी पॉलिसी बनाई है। इन नीतियों का लाभ निवेशकों को मिलेगा। आईटी सेक्टर के विस्तार के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिन जगहों पर आईटी के क्षेत्र में चुनौतियां आती थीं, आज वहां भी आईटी हब बन रहे हैं।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने प्रकृति 2025 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने राजधनी नई दिल्ली में आयोजित प्रकृति 2025 का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन परिवर्तनकारी जलवायु से संबंधित पहलों को एकीकृत करने के लिए सुदृढ़ता, जागरुकता, ज्ञान और संसाधनों को बढ़ावा देने के प्रति लक्षित है।

ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंत्री मनोहर लाल ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मंत्री ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में कार्बन बाजारों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भारत सरकार के दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और उत्सर्जन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) की ओर रुख किए जाने के महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा गंगा दीप पूजा और गोवर्धन पूजा जैसी पारंपरिक प्रथाओं को भी रेखांकित किया, जो देश की गहरी पारिस्थितिक चेतना को दर्शाती हैं और स्थिरता के आधुनिक प्रयासों की पूरक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्थिरता की ओर भारत के संक्रमण को महत्वाकांक्षी और प्राप्त करने योग्य बनाने वाली वास्तविक, सत्यापन योग्य और धोखाधड़ी-रहित कार्बन कटौती सुनिश्चित करने वाली जलवायु नीतियों की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर

मंत्री ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में कार्बन बाजारों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भारत सरकार के दृष्टिकोण को साझा किया।

विद्युत मंत्रालय के मुख्य अभियंता धीरज श्रीवास्तव ने विशिष्ट अतिथियों, प्रमुख उद्योगपतियों और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों का स्वागत किया और उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारत के सतत ऊर्जा भविष्य को आकार देने में सहयोग के महत्व को स्वीकार किया।

वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट ऊर्जा हासिल करने के लिए वित्त जुटाना जरुरी : केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मुंबई में कहा कि वित्त जुटाना 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा हासिल करने की कुंजी है। मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीपाद नाईक भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी आज मुंबई में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा के लिए वित्त जुटाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री जोशी ने नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र को सुलभ वित्त पोषण सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय संस्थानों और नीति निर्माताओं से सामूहिक प्रयास करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विचार प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक के बाद सामने आया, जहां पीएम सूर्य घर और पीएम-कुसुम जैसी प्रमुख योजनाओं में तेजी

लाने पर चर्चा हुई। भारत देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, इसलिए इसकी ऊर्जा मांग दोगुनी होने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा को थर्मल ऊर्जा उत्पादन से मेल खाने के लिए बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि एक विश्वसनीय और लचीली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। केन्द्रीय मंत्री ने 2070 तक नेट जीरो हासिल करने और 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता तक पहुंचने की भारत की प्रतिबद्धता के बारे में भी बात की। उन्होंने वित्तीय संस्थानों से भारत की नवीकरणीय ऊर्जा विकास रणनीति के साथ अपनी ऋण नीतियों को संरेखित करने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में कार्बन-गहन उद्योगों को निर्यात के अवसरों में कमी का सामना करना पड़ेगा। मंत्री जोशी ने कहा कि भारत ने पहले ही नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसकी क्षमता आज 222 गीगावॉट तक बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि पीएम-कुसुम और पीएम सूर्य घर किसानों को ऊर्जादाता (ऊर्जा प्रदाता) बनने के लिए सशक्त बनाते हैं, साथ ही ट्रांसमिशन घाटे को भी कम करते हैं। उन्होंने बैंकों से वित्तपोषण प्रक्रियाओं को सरल बनाने का आग्रह किया, विशेष रूप से रूफटॉप सौर परियोजनाओं के लिए, और डिस्कॉम के लिए नवीकरणीय खरीद दायित्वों (आरपीओ) के समान, इस क्षेत्र के लिए समर्पित वित्तपोषण सुनिश्चित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण दायित्व की शुरुआत करने का आह्वान किया।

वैश्विक दबाव के कारण शेयर बाजार में गिरावट जारी, 8 महीने के निचले स्तर पर आया सेंसेक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। इस गिरावट के कारण सेंसेक्स 7 जून 2024 के बाद आज पहली बार 75 हजार अंक के स्तर से भी नीचे गिर गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाल बाजार पर पूरी तरह से हावी हो गए?।

पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.14 प्रतिशत और निफ्टी 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, एनर्जी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 397.98 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिटः पहले दिन मिले 22 लाख 50 हजार 657 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, हुए एमओयू

एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में शुरू हुई दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के काफी सुखद परिणाम आये हैं। समिट के पहले दिन बड़ी संख्या में निवेश के प्रस्ताव मिले। इसमें 22 लाख 50 हजार 657 करोड़ के इंटेशन-टू-इन्वेस्ट, एमओयू और निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये। इससे 13 लाख 43 हजार 468 रोजगार सृजन होगा। यह जानकारी देर शाम जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने दी। 1) नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा - 5,21,279 करोड़ रुपये का निवेश - 1,46,592 लोगों को रोजगार।2) डी.आई.पी.आई.पी - 4,94,314 करोड़ रुपये का निवेश - 3,04,775 लोगों को रोजगार।3) खनिज एवं संसाधन विभाग - 3,22,536 करोड़ रुपये का निवेश- 20,180 लोगों को रोजगार।6) लोक निर्माण विभाग -

- 55,494 लोगों को रोजगार।4) शहरी विकास और आवास - 1,97,597 करोड़ रुपये का निवेश - 2,31,376 लोगों को रोजगार।5) ऊर्जा - 1,47,990 करोड़ रुपये का 1,30,000 करोड़ रुपये का निवेश - 7) पर्यटन - 64,850 करोड़ रुपये का निवेश - 1,23,799 लोगों को रोजगार।8) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी - 64,174 करोड़ रुपये का निवेश - 1,83,144 लोगों को रोजगार।9) तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार - 43,326 करोड़ रुपये का निवेश - 51,027 लोगों को रोजगार।10) एमएसएमई - 21,706 करोड़ रुपये का निवेश - 1,32,226 लोगों को रोजगार।11) लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण - 17,205 करोड़ रुपये का निवेश - 49,237 लोगों को रोजगार।12) उच्च शिक्षा - 7,043 करोड़ रुपये का निवेश - 15,346 लोगों को रोजगार।13) उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण - 4,729 करोड़ रुपये का निवेश - 8,871 लोगों को रोजगार।14) चिकित्सा शिक्षा - 3,908 करोड़ रुपये का निवेश - 9,401 लोगों को रोजगार।15) अडाणी समूह - 2,10,000 करोड़ रुपये का निवेश - 12,000 लोगों को रोजगार।

सामाजिक न्याय के प्रति सामाजिक सुरक्षा देश की प्रतिबद्धता का बुनियादी स्तंभ : मंडाविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा भारत की सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का एक बुनियादी स्तंभ बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इसकी पहुंच 2021 में कुल आबादी का 24.4 फीसदी से बढ़कर 2024 में 48.8 फीसदी हो गई है। केंद्रीय श्रम मंत्री यहां सामाजिक न्याय एवं ईएसआईसी के 74वें स्थापना दिवस पर क्षेत्रीय संवाद को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने सामाजिक न्याय 2025 पर क्षेत्रीय संवाद के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, बेरोजगारी दर 2017-18 में 6 फीसदी से घटकर 2023-24 में 3.2 फीसदी हो गई है जबकि श्रम बल भागीदारी दर 49.8 फीसदी से बढ़कर 60.1 फीसदी हो गई है। उन्होंने बताया कि 29 श्रम कानूनों को चार सरल श्रम संहिताओं में समाहित करने से श्रम कल्याण, सार्वभौमिक मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा मिला है। इसके साथ ही सुरक्षित कार्य स्थितियों को सुनिश्चित किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन सुधारों ने पंजीकरण, लाइसेंस और अनुपालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके व्यापार करने में आसानी में भी सुधार किया है। ये सकारात्मक संकेतक हमारे सुधारों और पहलों के प्रभाव को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रम सुधार भारत की कार्यबल नीतियों को आधुनिक बनाने के प्रयासों का आधार रहे हैं।मनुसख मंडाविया ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना एक और महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है, उन्होंने कहा कि भारत के केंद्रीय बजट 2025-26 में 2047 तक 70 फीसदी महिला कार्यबल भागीदारी हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के बारे में कहा कि भारत की 65 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। इसलिए कौशल विकास एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। उन?होंने कहा कि भारतीय स्नातकों की रोजगार क्षमता 2013 में 33.95 फीसदी से बढ़कर 2024 में 54.81 फीसदी हो गई है। श्रम एवं रोजगार मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल ने 440 मिलियन से अधिक नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराए हैं। मनुसख मंडाविया ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का आधुनिकीकरण किया गया है, ताकि अधिक श्रमिकों को इसका लाभ मिल सके।

वर्ष 2024-25 का हाउस टैक्स जमा करने पर पुराना बकाया होगा माफ

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने फैसला किया है कि जो लोग तय समय सीमा के अंदर वित्त वर्ष 2024-25 का पूरा हाउस टैक्स जमा कर देंगे, उनका पिछला बकाया सारा हाउस टैक्स माफ कर दिया

जाएगा। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह, नेता दुर्गेश पाठक, मेयर महेश खींची और नेता सदन मुकेश गोयल सोमवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन कर इस फैसले की जानकारी दी। श्री संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने हमेशा से आम लोगों के फायदे और उनकी जिंदगी में सहूलियत देने के लिए काम किया है। इसी दिशा में निगम एक बहुत बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत जो लोग 2024-25 के हाउस टैक्स का भुगतान कर देंगे, उनका पिछला सारा बकाया हाउस टैक्स माफ कर दिया जाएगा।

भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता आगे बढ़ाने पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू कर दी है। दोनों देशों ने नई दिल्ली में एफटीए पर विस्तार से बातचीत को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूनाइटेड किंगडम के व्यापार और वाणिज्य विभाग के राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने यह घोषणा की। इससे दोनों देशों के बीच अगले 10 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 20 अरब डॉलर से दोगुना या तिगुना होने की उम्मीद है।

पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों ने व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि हम एक दूरदर्शी, पारदर्शी और महत्वाकांक्षी भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू कर रहे हैं, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत और ब्रिटेन घनिष्ठ साझेदार हैं, जो सुरक्षा और रक्षा, नई और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार, हरित वित्त और लोगों के बीच संपर्क पर सहयोग पर आधारित है।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि इस रिश्ते के केंद्र में आर्थिक विकास और सतत विकास प्रदान करने की सामूहिक आकांक्षा है। दोनों पक्ष एक संतुलित, पारस्परिक रूप से लाभकारी और दूरदर्शी समझौते की दिशा में बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जो पारस्परिक विकास प्रदान करता है और दो पूरक अर्थव्यवस्थाओं की ताकत को बढ़ाता है। गोयल ने कहा

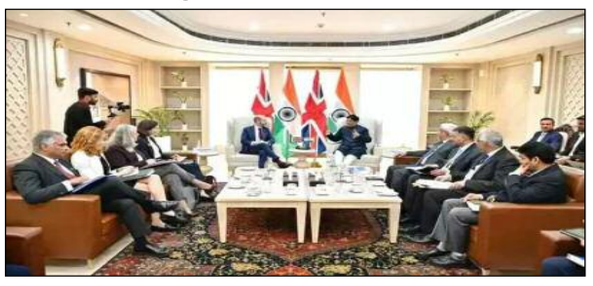

कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने से दोनों देशों में व्यापार और उपभोक्ताओं के लिए अवसरों को खोलने और पहले से ही गहरे संबंधों को और मजबूत करने की क्षमता है। उन?होंने कहा कि यह घोषणा दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के स्तर पर हुई उपरोक्त चर्चाओं का परिणाम है। वाणिज?य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने वार्ताकारों को निर्देश दिया कि वे समझौते में लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए मिलकर काम करें, ताकि साझा सफलता के लिए निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौता सुनिश्चित हो सके। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने नवंबर 2024 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की और शीघ्र ही एफटीए वार्ता फिर से शुरू करने के महत्व को रेखांकित किया था।

स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट मुद्रक,प्रकाशक, संपादक ओमवीर आर्य द्वारा मैसर्स कोमल प्रिन्टर्स चौधरी मार्केट मोरना सेक्टर-35, नोएडा गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर, ग्राम व पोस्ट दुजाना जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद के लिए निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर होगा।